दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 208 | ग्वालियर शुक्रवार, 19 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने दिलाई राहत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदला-बदला नजर आ रहा है. देर रात तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत तो दिलाई ही साथ ही मौसम भी खुशनुमा हो गया. बुधवार रात को हुई बारिश और आज यानी गुरुवार को सुबह से ही चल रही ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिसकी वजह से मौसम में नरमी हुई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम में ऐसी ही नरमी बनी रहेगी. मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी दिल्ली में अगले दो दिनों तक तेज हवा के साथ बारिश पड़ने की संभावना है. आपको बता दें कि दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी का दौर जारी था, जिसकी वजह से लोगों का हाल बेहाल था. सुबह सूरज निकलने के साथ ही पड़ने वाली चिलचिलाती धूप दिन ढ़लने तक भी लोगों को पीछा नहीं छोड़ रही थी. आलम यह था कि गर्मी के कारण लोगों अपने-अपने घरों से बाहर निकलने में भी परहेज कर रहे थे और दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा दिखाई पड़ने लगा था. यह गर्मी का असर था कि लोग समय से पहले ही मॉनसून की बाट जोहने लगे थे. लेकिन बुधवार सुबह से आसमान में छाई घटा के साथ मौसम में घुली ठंडक ने लोगों को गर्मी से राहत दिलानी शुरू कर दी थी. इस क्रम में शाम होते-होते मौसम पूरी तहर बदल गया और रात के आंधी के साथ हुई झमाझम बारिश ने पूरा सीन बदल दिया. मौसम विभाग के अनुसार बारिश के बाद मौसम में आए चेंज के बीज दिल्ली में मिनिमम टेंपरेचर 25.4 डिग्री सेल्सियस (औसत से एक डिग्री कम) और मैग्जीमम टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में आज भी धूलभरी आंधी चलने की संभावना है, जिसकी वजह से वायु गुणवत्ता सूचकांक में गिरावट आ सकती है. टेंपरेचर की बात करें तो आज मिनिमम टेंपरेचर 26 डिग्री सेल्सियस और मैग्जीमम टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जा सकता है.

खाट पर सो रहे शख्स के पास पहुंचा तेंदुआ

नई दिल्ली। क्या आपने कभी किसी तेंदुए को चुपके से अपने शिकार की ओर बढ़ते और सामने से उस पर हमला करते देखा है। अगर आपने नहीं देखा है, तो आपको भारतीय वन सेवा अधिकारी परवीन कस्वां द्वारा साझा किए गए इस वीडियो को अवश्य देखना चाहिए. वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे एक तेंदुआ हाईवे के पास सो रहे एक कुत्ते के पास पहुंचा और फिर उस पर झपट पड़ा. फिर मांसाहारी शिकार को मुंह में लेकर भाग गया, जहां कुत्ता लेटा था, उसके बगल में एक आदमी सो रहा था. वीडियो वाकई डराने वाला है. इस वीडियो को देखने बाद आप भी हैरान हो जाएंगे. वीडियो में आप देख सकते हैं कि कई ट्रक एक साथ लाइन में खड़े हैं. यह राजमार्ग पर एक ट्रक स्टेशन या ड्राइवरों के लिए विश्राम स्थल भी हो सकता है. आप एक आदमी को बाहर खुले आसमान में बिछी खाट पर सोते हुए देख सकते हैं. उसके बगल में कुत्ता लेटा हुआ था जो उस समय सो रहा था जब तेंदुए ने उस पर हमला किया. तेंदुआ धीरे-धीरे कुत्ते के पास जाता है और फिर उस पर झपटता है. फिर यह कुत्ते को अपने साथ घसीट कर पास के जंगल में ले जाता है. कुत्ते की आवाज से अनजान व्यक्ति की नींद खुल जाती है. ये देख आदमी भी एकदम सहम जाता है. इस खबर को लिखे जाने तक वीडियो को 80 लाख लोगों ने देख लिया है. वही 13 सौ लोगों ने वीडियो को लाइक किया है. वीडियो पर ट्विटर यूजर्स के रिएक्शन सामने आ रहे हैं. वे चिंकारा को पसंद करेंगे. दुख की बात है कि वे निवास स्थान खो रहे हैं और कुत्तों को खाना पड़ रहा है.

राधिका मदान अभिनीत कच्ची लिंबु की 19 मई से स्ट्रीमिंग शुरू

मुंबई। राधिका मदान, रजत बरमेचा और आयुष मेहरा अभिनीत फिल्म कच्चे लिंबू 19 मई से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी। फर्स्ट-लुक पोस्टर को साझा करते हुए, जियो स्टूडियो के आधिकारिक हैंडल ने लिखाः यहां पर कच्चे लिम्बु भी बड़े पक्के शॉट मारेंगे ! 19 मई को देखें कच्चे लिम्बु, एक्सक्लूसिव जियो सिनेमा पर। शुभम योगी द्वारा निर्देशित कच्चे लिम्बु एक ऐसे जीवन की कहानी है, जो परिवारिक अपेक्षाओं के साथ अपने जुनून के लिए चुनौतियों का सामना करते है और भाई-बहनों के बीच बंधन का जश्न मनाते हैं। फिल्म का प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2022 (टीआईएफएफ) में हुआ। इसके बाद बैंकाक के विश्व फिल्म महोत्सव और केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में स्क्रीनिंग की गई। फिल्म में राधिका अपने भाई की टीम के खिलाफ गली क्रिकेट खेलती हुई दिखाई देंगी। लेकिन फिल्म में भाई-बहन के प्यार के अटूट बंधन भी देखने को मिलेगा।

दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर तुंगनाथ 5-6 डिग्री झुकाः एएसआई

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि रुद्रप्रयाग का तुंगनाथ मंदिर थोड़ा झुका हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मंदिर लगभग पांच से छह डिग्री झुका हुआ है, और परिसर के भीतर की मूर्तियां और छोटी संरचनाएं भी 10 डिग्री तक झुकी हुई हैं। गढ़वाल हिमालय में 12,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। देहरादून मंडल के अधीक्षक पुरातत्वविद मनोज कुमार सक्सेना ने मंदिर के झुके होने पर गंभीर चिंता जताई है, इससे भविष्य में परेशानी हो सकती है, इसलिए मंदिर का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि यह पता चल सके कि मंदिर का झुकाव किस कारण से हुआ है और इससे क्या नुकसान हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर इसकी तुरंत मरम्मत की जा सकती है, तो एएसआई क्षति के मूल कारण का पता लगाएगा। साथ ही मंदिर परिसर का निरीक्षण कर पूरा डाटा तैयार किया जाएगा। साथ ही एएसआई के अधिकारी मंदिर के निचले हिस्से के खिसकने और

धंसने के कारणों का भी पता लगा रहे हैं, जो इसके झुके होने का कारण हो सकता है। सक्सेना के मुताबिक विशेषज्ञों से सलाह के बाद क्षतिग्रस्त हिस्से को बदला जाएगा। इससे पहले भी केंद्र सरकार की ओर से मंदिर को कब्जे में लेने के लिए एएसआई को पत्र लिखा जा चुका है। सरकार इसे राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित करने पर विचार कर रही है। आपत्ति दर्ज कराने के लिए दो माह का समय दिया है। बद्री केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) और मंदिर के स्थानीय अधिकारियों ने तुंगनाथ मंदिर को एएसआई को सौंपने पर आपत्ति जताई है। यह मंदिर भी केदारनाथ धाम की तरह बद्री केदार मंदिर समिति के अंतर्गत आता है। तुंगनाथ मंदिर में स्थानीय लोग ही पूजा करते हैं। हालांकि, बद्री केदार मंदिर समिति द्वारा यहां पुजारियों की नियुक्ति नहीं की जाती है। आज तक इस मंदिर का प्रबंधन बद्री केदार मंदिर समिति और स्थानीय अधिकारियों के अधीन रहा है। बद्री केदार मंदिर समिति व अधिकार धारकों ने मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किए जाने का विरोध करने का निर्णय लिया है। बदरी केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि तुंगनाथ मंदिर को अपने संरक्षण में लेने के लिए एएसआई की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है. साथ ही मामले में आपत्तियां भी मांगी हैं। बोर्ड की बैठक में स्थानीय अधिकारियों से इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई है। तुंगनाथ मंदिर में भगवान शिव को पंच केदारों में तीसरे केदार के रूप में पूजा जाता है। यह मंदिर एक धार्मिक स्थल होने के साथ-साथ एक खूबसूरत पर्यटक आकर्षण भी है, जहां साल भर श्रद्धालुओं और पर्यटकों का तांता लगा रहता है। तुंगनाथ धाम, पर्यटन स्थल को मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से भी जाना जाता है।

शिवकुमार ने आखिरकार

स्वीकार कर लिया कर्नाटक का डिप्टी सीएम बनने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को संशय खत्म करते हुए कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री शीर्ष पद के लिए अनुभवी नेता सिद्दारमैया और राज्य इकाई के प्रमुख डी.के. शिवकुमार को उनके डिप्टी के रूप में नाम की घोषणा की। नाम की घोषणा में देरी दोनों के बीच अनबन के कारण हुई, लेकिन पता चला है कि यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ही कनकपुरा विधायक को उपमुख्यमंत्री की भूमिका स्वीकार करने के लिए राजी कर लिया। शिवकुमार मुख्यमंत्री के अलावा किसी अन्य पद के लिए तैयार नहीं थे। इस कारण राष्ट्रीय राजधानी में लगातार तीन दिनों तक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच बैठकों की श्रृंखला चली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और तीन केंद्रीय पर्यवेक्षकों- महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, पार्टी के नेता जितेंद्र सिंह और दीपक बाबरिया के साथ कई बैठकें कीं। घटनाक्रम से जुड़े पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि सोनिया गांधी से बातचीत होने तक शिवकुमार राज्य में शीर्ष पद छोड़ने को तैयार नहीं थे। सिद्दारमैया सोमवार की दोपहर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे थे, जबकि शिवकुमार मंगलवार दोपहर को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे थे, क्योंकि वह पेट में संक्रमण के कारण सोमवार को नहीं आ सके थे। दोनों नेताओं ने खड़गे, सुरजेवाला, वेणुगोपाल और राहुल गांधी से मुलाकात की थी और उनके सामने अपना पक्ष रखा था। शिवकुमार ने अपना मामला पेश करने के लिए एक बार फिर खड़गे से अलग से मुलाकात की। तब खड़गे ने कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख से बात करने और पार्टी द्वारा तैयार किए गए फॉर्मूले को स्वीकार करने के लिए पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी को शामिल करने की जरूरत महसूस की। सूत्र ने कहा कि पिछले साल मई में उदयपुर में पार्टी के नव संकल्प चिंतन शिविर के दौरान सोनिया गांधी ने शिवकुमार से कर्नाटक जीतने के लिए कहा था और यह भी कहा था कि वह उनके साथ हैं। उनके टेलीफोन कॉल के बाद शिवकुमार ने पार्टी के फैसले को स्वीकार कर लिया और गुरुवार दोपहर सुरजेवाला और वेणुगोपाल द्वारा एक घोषणा की गई। पार्टी के फैसले को स्वीकार करने के बाद शिवकुमार ने गुरुवार सुबह मीडिया से कहा, पार्टी आलाकमान ने फैसला ले लिया है और मैंने पार्टी के व्यापक हित में उसे स्वीकार कर लिया है। कांग्रेस ने 10 मई के चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। पार्टी ने 224 में से 135 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा 66 सीटों पर सिमट गई।

यूपी में गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने नहर में लगाई छलांग

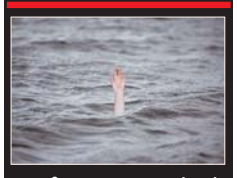

शामली (उप्र)। उत्तर प्रदेश के शामली में 18 वर्षीय आरोपी मल्ही गांव में गंगनहर में छलांग लगाकर पुलिस हिरासत से फरार होने में कामयाब हो गया। वह अपने बड़े भाई की हत्या का आरोपी है। पुलिस आरोपी मोहम्मद शोएब को उसके भाई का शव बरामद करने के लिए नहर पर ले गई थी। उसने पुलिस को बताया था कि उसने शव को नहर में फेंका था। जैसे ही पुलिस आरोपी को लेकर नहर पर पहुंची, आरोपी पानी में कूद गया और गायब हो गया।

केरल में खेत में लावारिस हालत में मिला नवजात शिशु

तिरुवनंतपुरम। केरल के पठानमथिट्टा जिले में टैपिओका के खेत में गुरुवार को एक नवजात शिशु लावारिस हालत में मिला। कवियूर के पास रहने वाले मनोज और उसके परिवार को आज सुबह बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज टैपिओका के खेत से आ रही थी।

मनोज खेत में गया। मनोज ने कहा, मैंने बच्चे को उठाया और स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचित किया। नवजात शिशु को कोई छोड़ गया था। बच्चा एक या दो दिन का लग रहा था। जल्द ही पुलिस पहुंची और बच्चे को स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल, बच्चे की देखभाल बाल कल्याण समिति कर रही है। इस बीच, स्थानीय पुलिस ने नवजात के माता-पिता का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

भाई डीके शिवकुमार को सीएम पद न मिलने से दुखी हैं डीके सुरेश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेतृत्व ने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के लिए सिद्धारमैया के नाम का ऐलान कर दिया है. जबकि डीके शिवकुमार को राज्य का उप मुख्यमंत्री बनाया जाएगा. हालांकि डीके शिवकुमार बाद तक मुख्यमंत्री पद की मांग पर अड़े रहे, लेकिन सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई बात के बाद उनको सरेंडर करना पड़ा. हालांकि कांग्रेस आलाकमान की ओर से उनको डिप्टी सीएम और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का ऑफर दिया गया है. वहीं, डीके शिवकुमार पार्टी आलाकमान के इस फैसले से कितने खुश हैं. डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश ने खुद इस बात का खुलासा किया है. कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के घोषणा पर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के भाई और कांग्रेस नेता डी.के. सुरेश, दिल्ली ने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि मैं पूरी तरह से खुश हूं। मगर कर्नाटक के हित के लिए पार्टी और डी.के. शिवकुमार और सभी को ये स्वीकार करना होगा. उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोगों से हमने जो वादे किए हैं, उनको पूरा करना है. आगे जो होगा देखा जाएगा. सिद्धारमैया को मेरी शुभकामनाएं हैं. आपको बता दें कि डीके शिवकुमार कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और पार्टी ने उनके अध्यक्ष रहते ही चुनाव में भारी जीत हासिल की है.

पूर्व पीएम देवेगौड़ा 90 साल के हुए

बंगलुरू। पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के मुखिया एच.डी. देवेगौड़ा गुरुवार को 90 साल के हो गए। हिंदू परंपराओं में प्रबल विश्वास रखने वाले धरती पुत्र के रूप में जाने जाने वाले हरदनहल्ली दोड्डे देवेगौड़ा अभी भी सक्रिय राजनीति में हैं और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में जमकर प्रचार किया। उन्होंने राष्ट्रीय पार्टियों को चुनौती दी थी और चुनाव से पहले कहा था कि राज्य में कोई मोदी लहर नहीं है। जद (एस) ने 19 सीटों पर जीत हासिल की। इससे देवेगौड़ा के अपने बेटे एच.डी. कुमारस्वामी के किंग मेकर बनने का सपना पूरा नहीं हो पाया। हालांकि देवेगौड़ा अभी भी राज्य के सबसे प्रभावशाली राजनेता और वोक्कालिगा समुदाय के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में बने हुए हैं। वह जाति और पंथ से ऊपर उठकर जनता के नेता के रूप में भी उभरे। उनका जन्म 18 मई, 1933 को हासन जिले के होलेनरसीपुरा तालुक के हरदनहल्ली गांव में हुआ था। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा पूरा किया और 20 साल की उम्र में राजनीति में आए। वह 1953 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और 1962 तक सदस्य बने रहे। देवेगौड़ा ने 28 साल की उम्र में एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और 1962 में विधायक के रूप में चुने गए।

मोदी कैबिनेट में बड़ा फेरबदल, किरेन रिजिजू की जगह अर्जुन मेघवाल होंगे कानून मंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल करते हुए किरेन रिजिजू को कानून मंत्री के पद से हटा दिया है। उनकी जगह पर अब अर्जुन राम मेघवाल को कानून एवं न्याय मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोदी कैबिनेट में इस बदलाव को मंजूरी दे दी है। इस नए बदलाव के मुताबिक अब तक कानून एवं न्याय मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे किरेन रिजिजू को अब भू विज्ञान मंत्रालय सौंपा गया है। किरेन रिजिजू की जगह पर अब अर्जुन राम मेघवाल कानून एवं न्याय मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्हें उनके मौजूदा मंत्रालय के साथ-साथ कानून और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री के तौर पर स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है।

40 साल बाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

आगरा। आठ साल के एक बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या करने के आरोप में 40 साल बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। 61 वर्षीय अंतराम ने 1982 में अपने दोस्त की मदद से वकील राघवेंद्र सिंह के छोटे भाई हरेंद्र सिंह का अपहरण कर लिया और उसकी हत्या कर दी। अंतराम और उसके साथी चंद्रभान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। चंद्रभान को गिरफ्तार कर लिया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, जब अंतराम फरार रहा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, अपराध के बाद, अंतराम राम निवास नाम से दिल्ली में रहने लगा। उसने राष्ट्रीय राजधानी में पत्नी व तीन बच्चों का परिवार बनाया। स्थानीय निवासियों के अनुसार पैतृक संपत्ति के विवाद में उसके तीन भाइयों में से एक ने पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी सोनम कुमार ने कहा, एक गुप्त सूचना के आधार पर, अंतराम को गिरफ्तार किया गया और अदालत के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया। एसएचओ (खेरागढ़) राजीव कुमार ने कहा, अपराध के बाद अंतराम ने कई ठिकाने बदल लिए थे। बाद में उसने अपना नाम बदल लिया और फर्जी आधार कार्ड बनवा लिया। उसने दिल्ली के हौज खास पुलिस स्टेशन के तहत एक इलाके में एक घर भी बनाया।

गुरुवार को शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुनाया

जल्लीकट्टू पर बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। तमिलनाडु से बड़ी खबर सामने आ रही है. देश के सर्वोच्च न्यायालय यानी सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में सांडों को वश में करने वाले खेल जल्लीकट्टू की अनुमति देने वाले तमिलनाडु के कानून को बरकरार रखा है. सुप्रीम कोर्ट ने सांडों को वश में करने वाले खेल जल्लीकट्टू के साथ-साथ बैलगाड़ी दौड़ की अनुमति देने वाले राज्यों के कानूनों की वैधता को चुनौती देने वाली अन्य सभी याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है. इसे इस खेल से जुड़े लोगों और समुदाय के लोगों के लिए बड़ा फैसला माना जा रहा है. बीते लंबे समय से कोर्ट में इस मामले लेकर लोगों की निगाहें टिकी हुई थीं. बता दें कि ये खेल सिर्फ देश के दक्षिण राज्य

तमिलनाडु में ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र में भी खेला जाता है. जल्लीकट्टू और बैल गाड़ियों की दौड़ को लेकर गुरुवार को शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुनाया. इस फैसले में इस खेल से जुड़े कानून की वैधता को सुप्रीम कोर्ट ने कायम रखा है. हालांकि इस कानून को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में कई याचिका दायर की गई थीं. इस में मांग की गई थी कि जानवरों को इस खेल से नुकसान पहुंचता और लोगों की जान को भी खतरा रहता है लिहाजा इस खेल को बंद कर देना चाहिए. वहीं इस मामले पर सुनवाई के लिए पांच जजों की बैंच बैठी थी, जिसने 18 मई को अपना फैसला सुनाया.

जल्लीकट्टू और बैल गाड़ियों की दौड़ मामले पर सुनवाई करने वाले पांच जजों की पैनल में न्यायधीश केएम जोसेफ, अजय रस्तोगी, अनिरुद्ध बोस, ऋषिकेश रॉय और सीटी रविकुमार प्रमुख रूप से शामिल थे. इस बैंच ने इस पर लगातार सुनवाई के बाद 8 दिसंबर 2022 को यानी पिछले वर्ष ही अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. इसके बाद करीब 5 महीने के अंतराल से माननीय शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुनाया है.

कोलारस पुलिस द्वारा एक लाख से अधिक की अवैध शराब जप्त कर आरोपीगणों को गिरफ्तार किया

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह द्वारा जिले में अवैध शराब की रोकथाम करने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवुपरी प्रवीण कुमार भुरिया एंव एसडीओपी कोलारस विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में दिनांक 17/05/23 को दौराने कस्बा गश्त मुखिबर सूचना पर से अमरपुर तिराहा कोटा फोरलाईन रोड पर पहुंचे वाहन चैकिंग हेतु पॉइंट लगाया गया कुछ ही देर बाद शिवपुरी तरफ से फोरलाईन क्रोस होकर अमरपुर रोड पर एक सफारी गाडी क्रमांक यूपी 65 एके 7484 आती दिखी जिसे हमराही फोर्स की मदद से रोका तो उसमे से एक व्यक्ति अचानक उतरकर भागा जिसे हमराही फोर्स की मदद से पकडा उसका नाम पता पूंछा तो उसने अपना नाम पंकज राय पुत्र श्री रामस्वरूप राय उम्र 28 साल नि0 ग्राम वीरा थाना भौंती जिला शिवपुरी का होना बताया एवं एक व??यक्ति गाडी मे बैठे हुआ था जिसका नाम पता पूंछा तो उसने अपना नाम श्रीकृष्ण धाकड पुत्र चम्पालाल धाकड उम्र 43 साल नि0 मनियर शिवपुरी को होना बताया ,सफारी गाडी के दोनो तरफ के गेट खोलकर चैक किया तो उसमे पीछे की पूरी साईड मे देशी प्लेन

शराब की पेटियां भरी होना पायी गई उन सभी पेटियों की गिनती की गई तो कुल 20 पेटी देशी प्लेन शराब जिनमे प्रत्येक पेटी मे 50 ङ्क 50 क्वाटर भरे होना पाये गये उक्त दोनो लोगों से उक्त शराब रखने व बेचने का वैध लाइसेंस चाहा गया तो दोनो ने अपने पास कोई लाइसेंस न होना बताया आरोपीगणों का कृत्य धारा 34(2) आवकारी एक्टं का दण्डनीय पाया जाने से मौके पर उपस्थित साक्षियो के समक्ष आरोपी पंकज राय के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त वाहन क्रमांक यूपी 65 एके 7484 एवं 10 पेटी देशी प्लेन शराब की एवं आरोपी श्रीकृष्ण धाकड के कब्जे से 10 पेटी देशी प्लेन शराब कुल 20 पेटी कीमती 01 लाख रूपये एवं घटना मे प्रयुक्त वाहन की कीमत करीव 06 लाख रूपये को जप्त किया गया एवं आरोपीगणों को गिरफ्तार कर बैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय पेश किया गया । उक्त दोनो आरोपीगणो के पूर्व मे भी कई थानो मे इसी तरह के आपराधिक रिकार्ड पाये गये है । उक्त कार्यवाही में उनि. हरिशंकर शर्मा, सउनि. रामसिंह भिलाला, सउनि. हमीद खांन, प्र.आर. विपिन भदौरिया, प्र.आर. ध्रुव दुवे , आर. अंकित जाट, आर. अनिल जादौन, गजराज सिंह,आर0 मनोज गौतम की सराहनीय भूमिका रही है ।

नगर परिषद रन्नौद में सफाई कर्मियों को स्थाई किया जाए वार्ड पार्षद पुत्र राजकुमार रजक ने सीएमओ को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता प्रदीप जैन (पिंटू) रन्नौद

नगर परिषद रन्नौद में सफाई कर्मियों को और अन्य अस्थाई कर्मियों की नियमित करने के लिए एवं नगर परिषद् में रिक्त पड़े पदों को भरने को नगर परिषद् सीएमओ रामभरोसे शर्मा जी को लिखित मांग पत्र सौंपा जिसमें वार्ड क्रमांक सात से पार्षद श्री मति पुष्पा स्वर्गीय श्री भानूप्रकाश शर्मा एवं वार्ड क्रमांक ग्यारह से पार्षद श्री मति शारदा श्री ओंकारलाल रजक ने लिखित रूप से मांग की जिसमें की सफाई कर्मचारी को स्थाई किया जाए ताकि नगर की ठीक से साफ सफाई हो उसी बीच नगर परिषद सीएमओ रामभरोसे शर्मा ने कहा की हमने नगर परिषद के सभी कर्मचारियों की लिस्ट जिले के अधिकारियों को भेज दी है जैसे ही आदेश आता है नगर परिषद के सभी कर्मचारी स्थाई हो जाएंगे नगर के सफाई कर्मियों का कहना है कि अभी हम से सफाई के साथ-साथ नगर परिषद के और भी अन्य काम करवाए जाते हैं तो हम सफाई पर ठीक से ध्यान नहीं दे पाते हैं यदि हमें स्थाई किया जाए तो हम अपने एक काम सफाई पर बहुत अच्छे से कार्य कर सकेंगे। पार्षद पुत्र राजकुमार रजक वा समाजसेवी कोसलेश शर्मा ने सौंपा मांग पत्र।

जनसेवा शिविर के निरीक्षण के लिए पहुंचे संभागायुक्त, हितग्राहियों को किया लाभ वितरण

रामस्वरूप रजक, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। संभागायुक्त दीपक सिंह गुरुवार को शिवपुरी भ्रमण पर आये। उन्होंने शिवपुरी में कोलारस जनपद की ग्राम पंचायत पडोरासड़क का

निरीक्षण किया। अभी जनसेवा अभियान द्वितीय चरण के तहत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संभागायुक्त दीपक सिंह ने पडोरासड़क ग्राम पंचायत में आयोजित जन सेवा शिविर का निरीक्षण किया और हितग्राहियों को लाभ वितरण किया। इस दौरान कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी, एसडीएम मोती लाल अहिरवार, जनपद सीईओ ऑफिसर गुर्जर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। शिविर में 32 आवेदन आये जिनमे से मौके पर 28 आवेदनों का निराकरण किया गया। संभागायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि जन सेवा अभियान में सभी अधिकारी अधिक से अधिक आवेदनों का निराकरण करें और अधिकारियों को शासन की मंशा अनुसार लाभ पहुंचाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री आवासीय पट्टा के हितग्राही रमाकांत शर्मा, महेन्द्र आदिवासी, डल्लू जाटव, राकेश जाटव को प्रमाण पत्र दिए। मुकेश आदिवासी, रतिराम आदिवासी, दिलीप आदिवासी, बाबू आदिवासी, आनंदी आदिवासी को जाति प्रमाण पत्र तथा भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र भूपेन्द्र सिंह रावत एवं संदीप रावत को दिए।

जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता का किया आयोजन पल्लिवाल महिला मंडल ने

रामस्वरूप रजक, पुष्पांजलि टुडे

संयोजिका सरिता जैन एंव कल्पना जैन ने बताया

कि जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता का उद्देश्य यह था कि सभी महिलाएं जिनवाणी सुरक्षा-सज्जा अभियान से जुड़े। पल्लिवाल महिला मंडल की अध्यक्ष करुणा जैन ने कहाँ हम जिनवाणी मां की सेवा हमारा सबसे पहला कर्त्तय हैं कि हम जिनवाणी की सेवा करेंगे। सचिव शशि जैन ने कहाँ श्रुत पंचमी पर हम सब सामूहिक पूजा करगे। जिनवाणी प्रतियोगिता के लिए जूरी के द्वारा निणर्य लिया गया था। जूरी कॅमोडे शालनी जैन ने निर्णय लिया जिसमें प्रथम पुरस्कार श्वेता जैन ने प्राप्त किया दिव्तिय पुरस्कार सीमा जैन, तृतीय पुरस्कार राजीव जैन को मिला तीन सांत्वना पुरस्कार रखें जिसमें दीपिका जैन वन्दना जैन सपना जैन को मिला। यह कार्यक्रम सुधा जैन के भजनों में सीता राम पतिराम धर्मशाला में रखा गया था कार्यक्रम में उपस्थित पल्लिवाल महिला मंडल की अध्यक्ष करुणा जैन, सचिव शशि जैन, पुष्पा जैन, बीना जैन, अनिता जैन, सरिता जैन, कल्पना जैन माया जैन, कुमकुम जैन, शोभा जैन, कल्पना जैन, संगीता जैन, सीमा जैन, शिल्पी जैन, सुनीता जैन, पारुल जैन, मिथलेश जैन, राजकुमारी जैन, राजा बेटी जैन, सभी सदस्य उपस्थित रहें।

पार्थ नामदेव द्वारा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर शिवपुरी कलेक्टर ने किया सम्मानित

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। बुद्धि बूस्टर स्कूल शिवपुरी के स्टूडेंट पार्थ नामदेव को आज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर शिवपुरी कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के द्वारा सम्मानित किया गया। पार्थ नामदेव को अबेकस के क्षेत्र में उन्हें ये अवार्ड प्राप्त हुआ है। यह सर्टिफिकेट इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा आया था जिसको कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के हाथों से आज पार्थ नामदेव गौरवान्वित हुए। पार्थ नामदेव द्वारा 14 सितंबर 2022 को ÷डबल डिजिट्स (रोटेशन स्पीड 0.6) के 100 जोड़ की गणना करने में सबसे कम उम्र का विश्व रिकॉर्ड हासिल किया गया है। यह बुद्धि बूस्टर की बहुत बड़ी अचीवमेंट है कि शिवपुरी शहर से बच्चे वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे हैं। शहर का नाम रोशन कर रहे हैं। पार्थ की उपलब्धि पर उन्हें सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर समाजसेवी आरती जैन एवं बुद्धि बूस्टर स्कूल की डायरेक्टर रोशनी गुप्ता भी उपस्थित रही।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग ने दमोह शहर के तीन गुल्ली स्थित रिलायंस रिटेल लिमिटेड स्मार्ट पॉइंट का किया गया औचक निरीक्षण

पुष्पांजली टुडे

दमोह। कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने दमोह शहर में तीन गुल्ली स्थित रिलायंस रिटेल लिमिटेड स्मार्ट पॉइंट का फोस्कोरिस एप्प के माध्यम से ऑनलाइन निरीक्षण किया। उक्त रिलायंस रिटेल स्मार्ट पॉइंट में संग्रहित डूड प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता की परख हेतु रिलायंस कंपनी के स्नैक टेक ब्रांड नूडल्स एवं कैड़े ब्रांड कॉड़ी के नमूनें जांच हेतु लिए गए। इसी तरह सिंधी कैम्प स्थित आइस कैंडी निर्माण यूनिट्स का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण किये गए परिसर में दयाराम आइस कैंडी एवं प्रहलाद आइस कैंडी, एस एस इंटरप्राइजेज से ऑरेंज आइस कैंडी एवं रेड आइस कैंडी के नमूनें जांच हेतु लिए गए हैं। इन नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान रिलायंस रिटेल स्मार्ट पॉइंट में डूड लाईसेंस की प्रति लगी हुई पाई गई एवं डूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए गए है। परिसर में पेस्ट कंट्रोल प्रबंधन सर्टिफिकेट पाया गया है। कार्यरत कर्मचारियों के वार्षिक मेडिकल परीक्षण प्रमाण पत्र पाए गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

राजस्थान में प्रतिभाओं ने बढ़ाया दमोह का गौरव हुई रंगारंग प्रस्तुतियां

गुलाबी नगरी जयपुर में बताया कैसे रहें तनावमुक्त

रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे

दमोह। गुलाबी शहर के नाम से मशहूर जयपुर में दमोह के कलाकारों ने पहुंचकर ना केवल गीत संगीत की धुन पर प्रस्तुतियां दीं। बल्कि वहां आयोजित शिविर में बताया कि किस तरह से व्यक्ति को तनाव मुक्त रहना चाहिए। आज की रोजमर्रा की भागदौड़ व तनावपूर्ण जीवन शैली में मनुष्य दिन प्रतिदिन उलझता जा रहा है। जिससे व्यक्ति का मानसिक स्तर टेंशन व स्ट्रेस से भरपूर है। इससे निकलने के लिए व उच्च जीवन शैली, हैप्पी लाइफ के मूल मंत्र को समझने के लिए उन्नतश्री फाउंडेशन (हलह) के द्वारा एक मोटिवेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जयपुर के अधिकारी गणों के लिए 13 मई को झालाना डूंगरी स्थित मंडल के सभागार में आयोजित किया गया द्ध इस कार्यक्रम में दमोह शहर के कलाकारों में

वरिष्ठ संगीत शिक्षक रविकांत बर्मन के निर्देशन में पूर्वा ठाकुर, पल्लवी ठाकुर व आराध्य कांत बर्मन ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के स्पीकर डॉ अनिल कुमार त्रिवेदी ने सभी भागीदारों को उच्च जीवन शैली प्रबंधन के मंत्र बताए। यह कार्यक्रम अपने आप में संगीत, विज्ञान, प्रबंधन व साइकोलॉजि का अनूठा ट्रेनिंग मोटिवेशनल प्रोग्राम रहाद्ध इस कार्यक्रम में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के वरिष्ठ अधिकारी गणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में एडीशनल चीफ इंजीनियर केसी गुप्ता ने उन्नतश्री फाउंडेशन के स्पीकर तथा उनकी समस्त टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं दमोह से पहुंचे कलाकारों का आभार माना।

थाना कोतवाली पुलिस ने चैनपुरा दमोह से गुम हुई दो नाबालिक बच्चियों को 48 घण्टो में हासिल किया

पुष्पांजली टुडे

दमोह। दिनांक 14/05/23 को थाना कोतवाली दमोह से नाबालिक बच्चियों के गुम होने कि सूचना पुलिस को मिली थी बच्चियों की उम्र 07 वर्ष एवं 12 वर्ष थी।मामले की गंभीरता को देखते हुये थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर थाना प्रभारी कोतवाली निरी विजय सिंह राजपूत के द्वारा टीम गठित की गयी एवं मामले को गंभीरता से लेते हुये नाबालिक बच्चियों की तलाश हेतु टीम को तत्काल रवाना किया गया।कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार बच्चियों कि तलाश की गयी एवं शहर के लोगों से पूछताछ करते हुये शहर के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश करते हुये ग्राम मुडारी थाना हिण्डोरिया से दिनांक 18/05/23 को सफलता हासिल कर परिजनों को सुपुर्द किया। इस दौरान सराहनीय करने वाले अधिकारी कर्मचारियों में कोतवाली प्रभारी विजय सिंह राजपूत, उप निरीक्षक आलोक तिरपुडे, सउनि साहब सिंह, प्र. आर. 90 डेलन आर. नितिन, महिला आरक्षक आरती का विशेष योगदान रहा।

सागर लोकायुक्त कि बड़ी कार्यवाही 20000 की रिश्वत लेते हुए जनपद पंचायत पटेरा में पदस्थ अधिकारी गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे

दमोह। जिले की जनपद पंचायत पटेरा की ग्राम पंचायत शिकारपुरा के सरपंच आनंद सिंह द्वारा सागर लोकायुक्त में शिकायत करके पटेरा जनपद पंचायत

कार्यालय में पदस्थ अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सुदर्शन पटेल को 20,000 रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वा दिया। दोपहर में हुई इस घटना से जनपद पंचायत पटेरा के कार्यालय परिसर में हड़कंप का माहौल निर्मित हो गया। बताया गया है कि ग्राम पंचायत शिकारपुरा के सरपंच आनंद सिंह से एपीओ ने पोर्टल पर फोटो सत्यापित करने के लिए ड़30,000 की रिश्वत मांगी थी, जिसके एवज में सरपंच ने पिछले दिनों 10,000 रूपए एपीओ सुदर्शन पटेल को दे दिए थे, लेकिन शेष राशि देने के पूर्व ही लोकायुक्त की टीम ने सुदर्शन पटेल को रंगे हाथों पकड़ लिया।इस दौरान कार्यवाही करने वाली टीम में उपुअ राजेश खेड़े, उपुअ प्रफुल्ल श्रीवास्तव, निरीक्षक बी एम द्विवेदी , निरीक्षक अभिषेक वर्मा सहित स्टाफ कि मौजूदगी रही।

पुलिस अधीक्षक ने 10 प्रकरणों में 11 अज्ञात आरोपियों एवं 13 फरार आरोपियों पर 87 हजार रूपये का किया ईनाम घोषित

पुष्पांजली टुडे

दमोह। पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने दमोह जिले के 10 प्रकरण में 24 आरोपियों पर 87 हजार रूपये रूपये यथा 05 प्रकरणों में 11 अज्ञात आरोपियों पर 40 हजार रूपये एवं 05 प्रकरणों में 13 फरार आरोपियों पर 47 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक ने प्रकरणों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये जिले के थाना हटा के अपराध क्रमांक 210/2023 धारा 307,324,34 के तहत चार अज्ञात व्यक्तियों पर 10 हजार रूपये, थाना पथरिया के अपराध क्रमांक 181/2023 धारा 363 ताहि. के तहत अज्ञात आरोपी पर 10 हजार रूपये, थाना बटियागढ़ के अपराध क्रमांक 132/23 धारा 302 ता.हि. के तहत अज्ञात आरोपी पर 10 हजार रूपये, थाना कोतवाली दमोह के अपराध क्रमांक 342/2023 धारा 394, 365 ता.हि. के तहत अज्ञात चार आरोपियों पर 5 हजार रूपये, अपराध क्रमांक 371/2023 धारा 307 ता.हि. 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत अज्ञात आरोपी पर 5 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है। इसी प्रकार थाना कोतवाली अंतर्गत अपराध क्रमांक 393/2023 धारा 302, 34 ता.हि. 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत दमोह निवासी दीपक चक्रवती एवं सौरभ चक्रवर्ती पर 10-10 हजार रूपये, थाना मड़ियादो के प्रकरण क्रमांक -141/2013/2553/2014, -51578/2023, -394 के तहत जिला पन्ना निवासी

न्याकम खान ऊर्फ मुफीद खान पिता मझम खान उम्र 30 वर्ष, निक्कस खान ऊर्फ अब्दुल समद ऊर्फ गुलशेर खां पिता मझम खान उम्र 40 वर्ष, डुलिया खान ऊर्फ विनोद खान पिता निक्कस खान ऊर्फ अब्दुल समद उम्र 20 साल तथा यूनिस खान पिता मझम खान ऊर्फ नूर खान उम्र 28 साल पर 5-5 हजार रूपये, थाना कोतवाली दमोह अपराध क्रमांक 211/2023 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत भूपेन्द्र ठाकुर पिता सुखलाल ठाकुर तथा रवि ठाकुर पिता सुखलाल ठाकुर निवासी फुटेरा मुहल्ला दमोह पर एक-एक हजार रूपये, थाना हिण्डोरिया के अपराध क्रमांक 98/2023 धारा 436, 34 भादवि के तहत हरिसींग पिता जगत सींग लोधी उम्र 48 वर्ष, छोटू सींग पिता हरिसींग लोधी उम्र 24 वर्ष, कीरत ऊर्फ तीरथ सींग लोधी उम्र 52 वर्ष एवं वीरसींग पिता भगवान सींग लोधी उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम आमखेड़ा पर एक-एक हजार रूपये तथा थाना पथरिया के प्रकरण क्रमांक 23/2016 अपराध क्रमांक 08/2016 धारा 323,294,506, 34 ता.हि. के तहत शरद पिता काशीराम अहिरवार उम्र 18 वर्ष निवासी डीके स्कूल वार्ड नं.-7 पर एक हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक सिंह ने जानकारी दी है कि उक्त प्रकरणों में जो कोई व्यक्ति, कर्मचारी, अधिकारी फरार आरोपियों को गिरफ्तार करेगा या करायेगा या ऐसी सूचना देगा जिससे अज्ञात आरोपियों एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हो सकेगी, ऐसे व्यक्ति को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुरूस्कार से पुरूस्कृत किया जायेगा। उक्त ईनाम प्रदान करने के संबंध में पुलिस अधीक्षक का निर्णय अंतिम होगा।

गर्मी के विकराल स्थिति लोग तरस रहे बूंद-बूंद पानी को विभाग सिर्फ खानापूर्ति करें में लगे हैं

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के ऐसे कई ब्लॉक हैं जहां लोग पानी के लिए भटक रहे वही मैनपुर क्षेत्र के फरसरा जैसे कई गांवों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है और खुद अमला झीलों तक पानी पहुंचाना नाकाम है। मिलो दूर चल कर पानी लाते हैं वही समझते हैं पानी की कीमत क्या होती है इसे प्रकार ग्रामसरा के ही आदिवासी कमार ग्रामीण जानते हैं।ग्राम फरसरा के एक मात्र सरकारी कुआं पुरी तरह सुख चुका है। मजबूरन अटके को दूसरे गांव के ट्यूबवेल से टैंकर में पानी भरकर ग्राम फरसरा लाकर सुख गए कुआं को पानी से भरा जा रहा है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से 15 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत दबनई के आनुपातिक ग्राम फरसरा में इन दिनों पीने के पानी को लेकर लोगों को काफी जद्दोजहद कर रही है। ऐसा नहीं की स्थिति की जानकारी संबधित विभाग व जिला के आधे अधिकार को न हो सभी ग्रामीण पानी की समस्या से अवगत करा रहे हैं लेकिन क्यो यह स्थिति को समझ कर शुद्ध पीने के लिए पानी व्यवस्था नहीं करवा पाती जिला प्रशासन शुध्द प्राधिकार जारी नियम में अपने किमती वोटो से फिर हूए जनप्रतिनिधियों के प्रति कतार लग रही है क्योकि समस्या से कई बार सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियो को भी अवगत करा दिया गया है लेकिन समस्या का अब तक समाधान नहीं हो पाया है।ग्राम फरसरा की आबादी लगभग 430 के आसपास है और

यह विशेष पिच्छडी कमर जनजाति के साथ सभी समाज के लोग भी निवास करते हैं। गांव में कहने को तो 14 से ज्यादा हैडपम्प है, लेकिन अधिकाश हैडपम्पों से आयरन युक्त लाल पानी वाली सड़कों के कारण इसे फॉलो करें तो डरकर खाना बनाना भी मुश्किल हो गया है। इस समस्या से कई बार पीएचई विभाग के अधिकारी अवगत रहते हैं। हर बार सौर सुजला योजना से प्रक्षेप आपूर्ति करने की बात कही जाती है लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं की गई है। पंचायत के सरपंच घनश्याम मरकाम, युवा पंच रोशन राठौर एवं प्रावधानों ने बताया कि ग्राम फरसरा में वर्षो से ग्रामों की गंभीर समस्या है अधिकांश हैडपंपों से लाल पानी आयरन युक्त पानी का चयन है जिसके कारण इस पानी का उपयोग ग्रामीण नहीं कर रहे हैं। एक हैडपम्प में मोटर लगातार पानी का आवंटन कर रहा है जिसका उपयोग ग्रामीण कर रहे हैं लेकिन गांव बहुत बड़ा होने के कारण गांव में सुख पहुंच कुआ में टैंकर से पानी लाकर डाला जा रहा है। ग्राम पंचायत के पास इतनी मदद नहीं रहती है कि वह प्रिया की व्यवस्था दुरूस्थ कर सके इसलिए समझौता समाधान तो पीएचई विभाग को करना चाहिए। अधिकारी-लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के गरियाबंद सब इंजीनियर बी.एस.यादव सभी इंजीनियर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बंद कर दिया। ग्राम पंचायत दबनी के पंच और युवा कांग्रेस नेता ने कई बार पानी की समस्या से अवगत कराया है। अधिकारी और नेता हमारे गांव की तरफ ध्यान क्यों नहीं देते, समझ से परे है। उन्होंने लगभग 10 से 12 बार इस बारे में बताया कि उन्होंने इस मामले की जानकारी आला अधिकारियो को दी गई है।

एकात्म अभियान के तहत योग एवं ध्यान प्रशिक्षण निरंतर जारी

ब्यूरो पन्ना। प्रदेश भर में एकात्म अभियान के तहत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं हार्टफुलनेस संस्थान द्वारा हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान की पहल शुरू की गई है, ताकि जीवन को मानसिक तनाव एवं रोग मुक्त बनाया जा सके, इसी संज्ञान में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था उन्नत शिखर संघर्ष समिति पन्ना एवं हार्टफुलनेस संस्था के प्रतिनिधि श्री विजय शंकर एवं डॉ.आर.एन.सिंह के द्वारा तनाव मुक्ति एवं बुद्धि कौशलता हेतु गांधी चौक पन्ना में विधार्थियो एवं स्थानीय निवासियों को ध्यान का अभ्यास कराया। साथ ही आगामी 21 जून 2023 विश्व योग दिवस पर विशाल योग कार्यक्रम का हिस्सा बनने की अपील भी की। इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में तनाव मुक्त रहने के लिए ध्यान एवं योग को अति उत्तम साधन बताया गया विद्यार्थी जीवन में भी इसे अनुसरण करने की आवश्यकता बतलाई, हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान, जन जन का है ये जन अभियान मूल मंत्र के साथ एकात्म अभियान को आगामी दिवसों में जिले के सभी विकासखंडों, सेक्टरों में तेज़ी से प्रचार प्रसार कर अभियान को सफल बनाने की आवश्यकता बतलाई गई।

मैनपुर के जंगल में वन्य प्राणी कोटरी का शिकार, तीन आरोपी गिरफ्तार एक फरार

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। वन परिक्षेत्र मैनपुर क्षेत्र के जंगल में बुधवार रात वन्य प्राणी दो कोटरी हिरण प्रजाति का शिकार कर उसे गांव ला रहे थे कि वन विभाग की टीम ने दबिश देकर तीन शिकारियों को मौके पर पकड़ा एक शिकारी फरार बताए जा रहा हैं। दोनों कोटरी उम्र लगभग 8 माह की बताई जा रही है मैनपुर में पशु चिकित्सालय के डॉक्टरों द्वारा पोस्टमार्टम किया जा रहा है और आरोपियों के खिलाफ वन्य प्राणी जीव अधिनियम के तहत कार्यवाही किया जा रहा है।

देवभोग में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 21 से होगी शुरू

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग ग्रामीण प्रतिभागियों को निखारने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 21 मई से लेकर 15 जून तक विकासखंड स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन विकासखंड देवभोग के शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं मिनी स्टेडियम देवभोग में किया जाएगा उक्त आशय की जानकारी देते हुए नोडल अधिकारी दुर्गेशचंद्र टांडिल्य ने बताया कि प्रशिक्षण में सब जूनियर व जूनियर स्तर के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे छत्तीसगढ़िया ओलंपिक स्तर के सभी खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही कबड्डी खो-खो वॉलीबॉल बैडमिंटन इत्यादि खेलों के भी सिखाए जाएंगे विकासखंड के प्रतिभागी इसमें भाग ले सकेंगे।

ग्राम पंचायत दशपुर और जोबा में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम जिला स्वास्थ्य विभाग गरियाबंद द्वारा किया गया

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के. सी. उरांव के मार्गदर्शन में 31 मई 2023 विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पे तम्बाकू मुक्त ग्राम पंचायत बनाये जाने हेतु ग्रामीण स्तर पर ग्राम सभा की बैठक में फोकस ग्रुप डिस्कशन कार्यक्रम कर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । उक्त कार्यक्रम में डॉ. चेतन नाग (डेंटल सर्जन), राजेन्द्र निराला (क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट) एवं पोखराज साहू (सामाजिक कार्यकर्ता) के द्वारा तम्बाकू उसके उत्पादो के सेवन से मुँह पर होने वाले हानिकारक दुष्प्रभाव के बारे जानकारी, ग्रामीण स्तर पर तम्बाकू के उपयोग पर रोक की जानकारी प्रदान किया गया। ग्राम के विक्रय केंद्रों पर धारा 4 का साइनेज बोर्ड वितरण किया गया। साथ ही आईईसी मटेरियल वितरण किया गया जिससे लोग जागरूक हो सके ।

कलेक्टर प्रभात मलिक ने आज अपने कार्यालय कक्ष में हाईस्कूल एवं हायर-सेकेण्डरी परीक्षा 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं से सौजन्य मुलाकात कर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। कलेक्टर प्रभात मलिक ने आज अपने कार्यालय कक्ष में हाईस्कूल एवं हायर-सेकेण्डरी परीक्षा 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं से सौजन्य मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान कलेक्टर ने दोनों विद्यार्थियों से चर्चा की। इस पर कुमारी रितु बंजारे ने बताया कि वे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय छुरा की बारहवीं वाणिज्य की छात्रा है। वे आगे प?ाई कर सीए बनना चाहती है। इसी तरह सरस्वती शिशु मंदिर कोपरा में अध्ययनरत 10वीं के छात्र दीपक भाण्डेकर ने बताया कि वे जज बनना चाहता है। कलेक्टर ने इन दोनों विद्यार्थियों को आगे की प?ाई के लिए लैपटॉप प्रदान किया। कलेक्टर द्वारा सम्मानित होने पर बच्चों के खिले हुए चेहरे बता रहे थे कि इस सम्मान को प्राप्त कर

उनकी प्रसन्नता दोगुनी हो गई है। ज्ञात हो कि छत्तीसग? माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10 मई को 10 वीं और 12 वीं के परीक्षा परिणाम जारी किया गया। जिसमें गरियाबंद जिले की कक्षा 12 वीं में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, छुरा की छात्रा कु. ऋतु बंजारे ने 96.20 प्रतिशत अंकों के साथ स्टेट टॉप-10 में 6वें रैंक पर रही। इसी तरह सरस्वती शिशु मंदिर, कोपरा के दीपक भाण्डेकर 96.86 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए 10वें रैंक पर रहे। बता दे कि गरियाबंद जिले में 10वीं कक्षा का प्रतिशत 74 प्रतिशत रहा, इसमें छात्राएं 79 प्रतिशत एवं छात्र 68 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इसी तरह कक्षा 12वीं का प्रतिशत 79 रहा, जिसमें छात्राएं 81 प्रतिशत एवं छात्र 75 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अविनाश भोई, जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस. चौहान, डीएमसी श्याम चन्द्राकर, जिला खाद्य अधिकारी सुधीर गुरू तथा उनके अभिभावक, शिक्षकगण उपस्थित थे।

अभाविप ने गरियाबंद जिला मुख्यालय में किया सीजीपीएससी चेयरमैन का पुतला दहन

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गरियाबंद के तिरंगा चौक में छग लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष टामनसिह सोनवानी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया व जमकर नारेबाजी की । 11 मई 2023 को छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2021 का परिणाम जारी किया इस वर्ष जारी परिणाम काफी चर्चाओं में रहा। अभाविप गरियाबंद के जिला संयोजक रंजन यादव ने बताया की 11 मई 2023 को छग लोक सेवा आयोग 2021 की परीक्षा परिणाम घोषित हुआ इस घोषित परीक्षा परिणाम के प्रावीण्य सूची के अध्ययन से ज्ञात होता है पहले स्थान से बीसवा स्थान प्राप्त अभियार्थी किसी न किसी अधिकारी या नेता के परिवार से संबंध रखते है साथ में इस सुची ऐसे भी नाम हैं जो सगे भाई-बहन व पति- पत्नी हैं।इस सुची में लोक सेवा आयोग के चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के दतक पुत्र व अन्य सगे सम्बंधियों ने। भी स्थान प्राप्त किया। इन सभी संयोगो से स्पष्ट संकेत मिलता है की छग लोक सेवा आयोग 2023 के परीक्षा परिणाम में धांधली हुई है।प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शुभम निषाद ने कहा की यह परिणाम उन कठिन मेहनत करके तैयारी करने वाले सभी अभियर्थीयों के साथ अन्याय है इन विषयों को ध्यान में रखकर अभाविप उच्च स्तरीय जाँच की माँग करता है व दोषियों पर कठोर कार्यवाही की माँग करती है। अवसर पर नगर उपाध्यक्ष निखिल साहु, पुर्व नगर मंत्री जयप्रकाश, विकास शर्मा,नवीन सिन्हा,राहुल सिन्हा,संतराम नेताम,राजा दुबे एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बुधवार शाम 14 महीने के बच्चे का अपहरण कर लिया गया था पुलिस के 50 से ज्यादा जवानों ने सर्च शुरू की

बच्चा खेत की मेड पर सुरक्षित मिला परिवार जनों ने पुलिस का माना आभार

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ
डॉ. वेताल सिंह गौड़

मौ थाना क्षेत्र के ग्राम पड़ारिया में 14 माह के बच्चे का अपरहण कर लिया गया घटना मौ थाना इलाके की है बुधवार शाम करीब 6ः00 बजे पडारिया गांव के रतीराम प्रजापति का बेटा देवांश घर के बाहर खेल रहा था वहां से ही बदमाश उसे उठा ले गए बच्चे के लापता होने की सूचना पर भिंड एसपी ,एडिशनल एसपी, भिंड क्राइम ब्रांच की समस्त टीम,गोहद एस.डी.ओ.पी, मौ थाना प्रभारी उदय भान सिंह यादव ,मौ थाना पुलिस एवं गोहद साइबर टीम ने गांव की घेराबंदी कर दी 50 से ज्यादा जवानों ने गांव के हर घर की तलाशी ली गांव के लोगों ने भी अपने स्तर पर मेहनत कर तलाश की गुरुवार सुबह 5ः00 बजे बच्चा खेत की मेड़ पर बैठा मिला इसमें सभी ग्राम वासियों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया और पुलिस ने मार्ग कायम कर केस विवेचना में ले लिया है

स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ गुजरात द्वारा वड़ोदरा में विशेष निशानेबाजी प्रशिक्षण

निल कुमार, पुष्पांजली टुडे स्पोर्ट

अथॉरिटी ओफ गुजरात तहत वड़ोदरा में चल रहे राज्य स्तरीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 2023 में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को विशेष शूटीङ् (निशानेबाजी) प्रशिक्षण दे रहा है। इस तरह के राज्य स्तरीय खेल प्रशिक्षण से खिलाड़ियों में खेल के प्रति उत्साह बढ़ेगा और उनके कौशल में भी निखार आएगा। इसके साथ साथ वर्तमान में सापुतारा में चल रहे टेबल टेनिस के खेल के लिए राज्य स्तरीय समर कोचिंग कैंप भी चल रहा है जिस में भी विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा टेबल टेनिस के खेल में विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

किसी भी गुण्डे मबाली व आसामाजिक तत्वो को बक्सा नही जाये...एसपी शैलेन्द्र सिह चौहान मुरैना

केशब पडित जी अम्बाह मुरैना। नवागत पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिह चौहान ने आते ही जिले की भौगोलिक स्थिति को जाना तदौपरान्त जिले से बाहर डिबीजन थानो में औचक निरीक्षण कर पोरसा में हुऐ झगडे की जानकारी पाकर तुरन्त पोरसा पहुचे थाना प्रभारियो से कहा पुलिस रणनीत बनाकर टीम भावना से कार्य करे महिलाओ पर होरहे अपराधों को पुलिस गम्भीरता से ले और इसकी रोकथाम के लिये पुलिस तत्तपरता से कार्यवाही करे, महिलाओ के मामलो मे पुलिस संबेदनशीलता के आधार पर कार्य करे व महिला संबंधी पेडिग अपराधों मे तत्काल आरोपियो की गिरफ्तारी सुनिस्चित की जाये घटना की

जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी मोके पर पहुचकर बास्तबिक स्थिति का भी अबलोकन करे सत्ययता पहचाने किसी भी गुण्डे मबाली व आसामाजिक तत्वो को बख्सा न जाये पुलिस कर्मी अपने इलाके मे गुण्डो पर प्रभाबी अकुश बनाये रखे और थाना प्रभारी भी अपने थाना इलाके मे नियमित पेट्रोलिंग गस्त करे जनता के शिकायती आवेदन पर पहले जाँचकरे, जॉच मे अगर घटना की पुष्टी होती है तो अपराध दर्ज करे, गुमशुदी के प्रकरणो मे तीब्र गति से पतारसी करे महिलाओ तथा गम्भीर अपराधो के प्रकरणो का निराकरण समय सीमा मे तत्तकाल करे! और पुलिस अधिकारियो व थाना प्रभारिओ को निर्देश दिये थाने मे आनेवाले फरियादियो की बात संबेदन शीलता से सुनी जाये लम्बित अपराधो का समय सीमा मे निकाल किया जाये तथा स्थाई बारन्टियो एव फरार अपराधियो की गिरसारी के प्रयास तेज किये जाये फरार, स्थाईवॉरंटो की तामीली का प्रतिसत बढाने के भी कढे निर्देश दिये साथ ही सम्पूर्ण जिले मे पुलिस सडको पर नजर आये ताकि अपराध प्रबित्ति के लोग सडको पर न दिखे और नागरिक भयमुक्त बाताबरण मे जीवन व्यतीत कर सके पुलिस अधीक्षक जी ने कहा अच्छे कार्य करने बाले पुलिस कर्मियो पुरूस्कृति किया जायेगा तथा लापरबाह करमचारियो के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्य बाही की जाबेगी थाना प्रभारी और पुलिस बल अपने थाना इलाके मे फरारी इनामी बदमाशो की तत्काल धरपकड करे व विश्वनीय मुखबिरो की सूचना पर तत्काल कार्यवाही सुनिस्चित करे जेल से रिहाई होने बाले बदमाशो के ऊपर पैनी नजर रखी जाये पुलिस अधीक्षक ने कहा लापरबाही कतई बर्दास्त नही की जायेगी।

नौ दिवसीय श्रीराम महायज्ञ की तैयारियां जोरो पर,21 मई से ग्राम कुरथर में प्रारंभ होंगा 108 कुंडीय यज्ञ

29 मई को जगद्गुरू रामानंदाचार्य श्री स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज होंगे सम्मिलित

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह। भिंड जिले के कस्बा दबोह से कुछ दूरी पर स्थित ग्राम कुरथर में श्री कुँअर बाबा आश्रम पर श्री श्री 1008 शिवदास जी त्यागी महाराज बाब?ा सरकार कुरथर के कुशल मार्गदर्शन में 108 कुंडीय नौ दिवसीय श्रीराम महायज्ञ होने जा रहा है।जिसकी तैयारी इन दिनों क्षेत्रवासियो व ग्रामवासियों के द्वारा जोर शोर के साथ की जा रही है फिलहाल यज्ञशाला व वेदियों के साथ-साथ श्रीराम कथा के मंच का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है कुँअर बाबा आश्रम के महाराज त्यागी जी एवं श्रीराम महायज्ञ समिति के पदाधिकारियों ने एक प्रेस

कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए बताया कि यह यज्ञ हमारे ग्राम के आश्रम पर ठहरे हुए श्री श्री 1008 शिवदास जी त्यागी महाराज बाबड़ा सरकार कुरथर की मंशानुसार कराया जा रहा है। महाराज जी ने कहा कि अयोध्या में श्री राम का मंदिर बन रहा है उनका मंदिर पूर्ण होने के पहले हमें अपने आश्रम पर एक श्रीराम महायज्ञ कराने का मन है महाराज जी की बात सुनकर हम सभी ने यज्ञ के लिए क्षेत्र के ग्रामो में भ्रमण कर सहयोग मांगा भगवान की कृपा से हमे सभी क्षेत्रीय लोगो का भरपूर सहयोग मिला तो हम सब ने मिलकर इस आयोजन की नींव रख दी और अब इसकी तैयारियां लगभग पूर्ण होने को है।हमारी समिति के द्वारा जगद्गुरू रामानंदाचार्य श्री स्वामी रामभद्राचार्य महाराज जी को भी आमंत्रित किया गया।जो 29 मई को इस यज्ञ में पधारेंगे।इस बीच आस पास क्षेत्र के संत महात्मा भी यज्ञ में आते जाते रहेंगे।वही राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत सभी दलों के व्यक्तियों को भी हमारी समिति की ओर से बुलाने का प्रयास किया जाएगा।जिसमे हमारे क्षेत्रीय नेता एवं मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष डॉ.गोविंद सिंह,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.डी शर्मा सहित अन्य कई नेताओं के आने की संभावना है।यज्ञ के दौरान सातों दिन तुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्र दास (जय महाराज जी)के मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्री राम कथा का रसपान कराया जाएगा एवं श्री दंदरौआ सरकार व मिहोनी माता के कृपा पात्र पंडित श्री रविंद्र शास्त्री (नाटी महाराज) के द्वारा शतचंडी पाठ किया जाएगा,यज्ञ के प्रधान परीक्षित मालती रविंद्र कौरव कुरथर,श्री राम कथा परीक्षित विद्या चतुर सिंह कौरव कुरथर,शतचंडी पाठ परीक्षित मालती लल्लू झा कुरथर है।

विश्व हाइपरटेंशन दिवस पर मेडीकल ऑफिसर दबोह ने किया पुलिस कर्मियों का परिक्षण

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। विश्व हाइपरटेंशन दिवस पर मेडीकल ऑफिसर दबोह डॉ.सोनू शर्मा ने दबोह थाने में पदस्थ पुलिस कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।साथ ही सभी पुलिस कर्मियों को अपनी दिनचर्या में बदलाव के साथ खाने पीने में भी सावधानी रखने के सुझाव दिए।साथ ही समय समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह भी दी।इस मौके पर डॉ.सोनू शर्मा ने कहा कि पुलिस हमेशा देशभक्ति और जनसेवा के लिए कार्य करती है और नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मचारी दिन रात लगे रहते हैं।मगर वह समय पर अपने स्वास्थ्य का ख्याल नही रख पाते हैं।उन्होने कहा कि कोरोना काल मे भी पुलिस कर्मियों ने बिना डरे बहुत अच्छी भूमिका निभाई है।स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान सहायक उपनिरीक्षक महेंद्र उचाडिया,प्रधान आरक्षक आकाश केन,प्रधान आरक्षक लाखन जाटव,आरक्षक राजू यादव,आरक्षक गिर्राज आदि कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ।

धाम,धमका और धर्म का धंधा

देश अमृतकाल से गुजर रहा है। अमृतकाल के बाद कौन सा काल आएगा ,ये कोई नहीं जानता ,लेकिन इतना तय है कि ये देश कभी भी धर्म के धंधे में लगे धामों से मुक्त नहीं हो पायेगा ,भले ही इन जैसे तमाम लोग हत्या और बलात्कार के मामलों में जेलों में पड़े हुए हैं। धर्मान्धता का ताजा उदाहरण पटना में धीरेन्द्र शास्त्री के लिए हुआ जमावड़ा है जिसमें सौ से अधिक लोग धमके की वजह से अचेत हो गए।

धीरेन्द्र शास्त्री धर्म के धंधे में उगने वाला नवीनतम मशरूम है। धीरेन्द्र जिस इलाके से है उस इलाके में %धाम % शब्द % ठिकाने % के लिए इस्तेमाल किया जाता है और %धमका % शब्द तेज उमस के लिए। पटना में पारा 40 के पार है इसलिए धीरेन्द्र के लिए जुटे लाखों लोगों के मजमें में धमका होना स्वाभाविक है और उसमें सौ लोगों का बेसुध होना बहुत स्वाभाविक है। इस हादसे के लिए धीरेन्द्र को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जिम्मेदार वे हैं जिन्होंने ये जमावड़ा किया और माकूल इंतजाम नहीं कर पाए।

धीरेन्द्र का अपना कोई प्रचार तंत्र नहीं है । धार्मिक चैनलों के अलावा उसे जो पहचान मिली है वो सोशल मीडिया के जरिये मिली है। धीरेन्द्र न योग शिक्षक है और न धर्म गुरु। धीरेन्द्र सुदर्शन है और वाचाल है। उसका ठेठ बुन्देली में गाली-गलौच करना लुभावना है। वक्त उसके साथ है ,इसीलिए धीरेन्द्र रातों-रात देश के धर्माकाश पर छा गया है। उसे देखने-सुनने भीड़ उमड़ रही है और यही भीड़ राजनीतिज्ञों की कमजोरी है । इसी भीड़ को दुहने के लिए उन्होंने भी धीरेन्द्र को सिर पर लादना शुरू कर दिया है। ये सिलसिला मध्यप्रदेश से शुरू होकर अब बिहार तक पहुँच गया है । हालांकि धीरेन्द्र के लिए इंग्लैंड में भी बाजार तलाश लिया गया है।

कुछ लोग नसीब वाले होते है। धीरेन्द्र उन्हीं में से एक है । खास बात ये है कि धीरेन्द्र धर्म का धंधा करने वाले गुजराती धर्म गुरुओं के सामने बुंदेलखंड की जमीन से उपजी एक चुनौती है। अन्यथा गुजरात के बाहर का कोई दूसरा बाबा या बाई धीरेन्द्र जितना लोकप्रिय नहीं हुआ। लोकप्रिय से आशय भीड़ खींचने वाले से है। धीरेन्द्र के पीछे हुई दीवानी भीड़ को देखते हुए अब उसके पास वित्तपोषकों की लम्बी कतार लगी हुई है। एक जमाने में मध्यप्रदेश में रावतपुरा सरकार का नसीब भी धीरेन्द्र की तरह जाएगा था । वे अवतार बना दिए गए थे किन्तु वे वाचाल न थे, इसलिए उनकी दूकान यथा समय बंद हो गयी। धीरेन्द्र शास्त्री का हश्र भी रावतपुरा या उन जैसी दूसरी सरकारों जैसा होना तय है ,लेकिन अभी तो धीरेन्द्र की पाँचों उँगलियाँ घी में और सर कढ़ाही में है।चूंकि ये चुनाव का साल है इसलिए धीरेन्द्र की मांग मध्यप्रदेश के अलावा दूसरे राज्यों में भी रहेगी । कर्नाटक में हाल ही में पिटकर बैठी भाजपा धीरेन्द्र शास्त्री का जमके इस्तेमाल करेगी । बिहार में भी धीरेन्द्र को राजनीतिक मकसद से ही ले जाया गया था लेकिन वहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद के तेजस्वी ने धीरेन्द्र की सभा में न जाकर इस प्लान को पंचर कर दिया। लेकिन नीतीश कुमार हों या कोई और फिलहाल धीरेन्द्र के पीछे भागती भीड़ को रोक नहीं सकते। इस भीड़ को जो भुना लेगा वो फायदे में रहेगा ,क्योंकि आजकल भीड़ भ्रष्ट नेताओं के पीछे तो दीवानी नहीं दिखाई देती। एक जमाना था जब इसी तरह की भीड़ खींचने वाले आसाराम बापू थे,उन जैसों की एक लम्बी फेहरिस्त है। एक जमाने में ऐसी ही भीड़ योग का धंधा करने वाले बाबा रामदेव के पीछे भागती थी ,लेकन अब सब पार्श्व में चले गए है। कुछ को समय ने पीछे धकेल दिया और कुछ खुद धर्म का धंधा छोड़कर दूसरे धंधों में लग गए हैं ,जहां %धर्म के दूने%% आसानी से हो जाते हैं। धीरेन्द्र शास्त्री भी इस समय %धर्म के दूने % करने की मशीन बने हुए हैं। हमारे सूबे के गृहमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष तक धीरेन्द्र के धाम में खड़े दिखाई देते हैं। धीरेन्द्र के लिए मध्यप्रदेश की सरकार सरकारी हैलीकॉपटर स्कूटर की तरह इस्तेमाल करने में भी नहीं हिचकती। बहरहाल मेरा कहने का आशय ये है कि विज्ञान कितनी भी प्रगति कर ले लेकिन इस देश में धर्म का धंधा करने वालों के बराबर तरक्की नहीं कर सकता। विज्ञान की चेतना धंधक-धोरियों की धार्मिक चेतना के आगे धूमिल है। यहां विवेक को सुलाए रखने के सौ तरीके है। बजरंगवली भले ही कर्नाटक में भाजपा के साथ न रहे हों किन्तु मध्यप्रदेश में धीरेन्द्र शास्त्री के पास तो है। मध्यप्रदेश में बजरंगवली डाक्टर भी हैं और उनके नाम पर बागेश्वर धाम की तरह दूसरे अनेक धाम हैं। यानि जिस देश में पहले से स्थापित चार धाम हैं वहां रोज नए धाम कुकुरमुत्तों की तरह बनते जा रहे हैं। ऐसे में देश की राजनीति किस दिशा में देश को ले जाएगी इसकी कल्पना की जा सकती है। बुंदेली बाबा धीरेन्द्र शास्त्री हमारे या आपके कोसने से घर बैठने वाले नहीं है। क्योंकि उनके पीछे भक्तों की अपार भीड़ है जो अपने विवेक के बजाय चमत्कारों पर लट्टू है। जिस देश में ये सब होगा वहां धीरेन्द्र शास्त्री भी होने और राम -रहीम भी,आसाराम बापू भी और सैकड़ों ऐसे ही अन्य लोग। धर्म का धंधा सबसे चोखा धंधा है । इसमें न हल्दी लगती है और न फिटकरी मिलाना पड़ती है । लेकिन रंग हमेशा चोखा ही आता है। धीरेन्द्र शास्त्री के धंधे का रंग भी चोखा है । आने वाले दिनों में पता नहीं वो कितनों की ठठरी बांधेगा और कितनों को ठठरी से उठाकर राजनीति में खड़ा होने में मदद करेगा। पिक्चर अभी बाकी है।मेरी सहानुभूति उन लोगों के प्रति है जो इस तरह के बाबाओं के पीछे दीवाने है। भगवान उनकी रक्षा करे ।

संपादकीय

महाराष्ट्र में सांप्रदायिक तनाव

फिल्म द केरला स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म सौ करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। हालांकि इसमें जिस तरह आतंकवाद की समस्या को धर्मांतरण से जोड़कर पेश किया गया है, उस पर विवाद खड़े हुए हैं। प.बंगाल, तमिलनाडु समेत कई गैरभाजपा शासित राज्यों ने फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाई है, जिस पर फिल्म के निर्माताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस मामले पर जून में सुनवाई होगी। वहीं अधिकतर भाजपा शासित राज्यों में फिल्म को न केवल करमुक्त किया गया है, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्री फिल्म के पक्ष में बयान दे रहे हैं। उनसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक चुनाव में इस फिल्म का अनावश्यक जिक्र किया था। उन्हें शायद इससे राजनैतिक लाभ मिलने की उम्मीद थी, मगर ऐसा नहीं हुआ। फिल्मों पर विवाद पहले भी होते रहे हैं। कभी कहानी को लेकर, तो कभी किसी दृश्य को लेकर आलोचनाएं हुई हैं, कुछ हद तक विरोध-प्रदर्शन भी हुए हैं। लेकिन बीते कुछ बरसों में फिल्मों को जिस तरह राजनीति का जरिया बना लिया गया है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। पद्मावत, लाल सिंह चड्ढा, पठान ऐसी अनेक फिल्मों पर हाल के वर्षों में देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन हुए। इन विवादों के कारण समाज को नुकसान पहुंचा, मगर सत्ता की रोटियां सेंकने वालों को फायदा हुआ। अब इस कड़ी में द केरला स्टोरी का नाम भी जुड़ गया है। जो केवल विवाद नहीं, हिंसा का सबब भी बन गई है। महाराष्ट्र के अकोला शहर में दो दिन पहले फिल्म से जुड़े एक इंस्टाग्राम पोस्ट में पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर एक समुदाय ने पुलिस पर शिकायत दर्ज की। जल्द ही दूसरे समुदाय के लोग भी इकट्ठे हो गए और दोनों समूहों के बीच तनाव बढ़ा इसके साथ ही पत्थरबाजी शुरू हो गई। इस हिंसक झड़प में कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा, कम से कम 10 लोग घायल हुए और एक व्यक्ति की जान ही चली गई। निगम पार्षद साजिद खान पठान के मुताबिक पुलिस की मौजूदगी में एक धार्मिक स्थल को आग लगा दी गई और एक व्यक्ति को मार दिया गया क्योंकि वो जिस ऑटो में बैठा था उस पर दूसरे समुदाय के धार्मिक चिह्न मौजूद थे। हालांकि पुलिस का कहना है कि मृतक दंगाइयों में से एक था और पथराव के दौरान उसके सिर पर पत्थर लगने से उसकी मौत हो गई थी। कारण जो भी रहा हो, एक व्यक्ति धार्मिक उन्माद में अकाल मौत मारा गया और सैकड़ों जिंदगियां दांव पर लग गई हैं। अकोला में फिलहाल धारा 144 लागू है, करीब सौ लोगों पर मामला दर्ज किया गया है, 45 लोगों को हिरासत में लिया गया है। फिल्म को लेकर विवादित इंस्टाग्राम पोस्ट करने वाले व्यक्ति के बारे में अभी तक पता नहीं लगाया जा सका है। लेकिन पता लग भी गया तो क्या फायदा होगा। उस व्यक्ति को छोटी-मोटी सजा मिल जाएगी। लेकिन समाज में जो धर्मांधता का जहर फैल चुका है, वह न किसी गिरफ्तारी से कम होगा, न किसी कर्फ्यू से रुकेगा। उसके लिए दृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति दिखाने की जरूरत है, जो फिलहाल राष्ट्रीय पटल से नदारद है। अकोला में अभी हालात संभले नहीं हैं। सामान्य जनजीवन पर ब्रेक लगा है, परीक्षाएं टल रही हैं, इस बीच महाराष्ट्र के एक दूसरे शहर अहमदनगर में भी हिंसक झड़प की खबर आई है। रविवार को शहर में संभाजी जयंती के अवसर पर जुलूस निकाला गया था। जुलूस जब एक धर्मस्थल के पास से गुजर रहा था तो नारेबाजी शुरू हुई, और फिर दोनों ओर से पत्थरबाजी शुरू हो गई। पुलिस ने भीड़ को संभालने के लिए लाठीचार्ज किया। इस झड़प में कई स्थानीय लोगों के साथ दो पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी खबर है। धार्मिक शोभायात्राओं के दौरान अक्सर हिंसक झड़पों की घटनाएं पहले हुई हैं। इस साल रामनवमी पर, पिछले साल हनुमान जयंती पर ऐसी ही झड़पें देश के कई हिस्सों में हुई हैं। ऐसे टकराव को रोकने का सीधा सा उपाय यह है कि कोई भी जुलूस निकालने से पहले सर्वधर्म सद्भाव या शहर के गणमान्य नागरिकों की एक कमेटी पुलिस प्रशासन गठित करे, जुलूस का रास्ता इस तरह बनाया जाए कि उसमें दूसरे धर्मस्थल रास्ते में न आएं, अगर आएं तो वहां पहले ही इत्तिला कर शांति बनाई जाए। जुलूस के आसपास सुरक्षा का प्रबंध रहे और अवांछित तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। ऐसे उपायों से कोई भी धार्मिक जुलूस शांति से निकल सकता है। जिस देश में दुनिया के सभी धर्मों के लोग रहते हों, वहां हर धार्मिक त्योहार मनाए जाएंगे और लोग रीति-रिवाजों का पालन भी करेंगे। हमारा संविधान इसकी इजाजत देता है। लेकिन धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति करने वाले इन मौकों को अपने फायदे के लिए भुनाते हैं, फिर चाहे उसमें धर्म की हानि हो या लोगों के जान-माल की, उन्हें फर्क नहीं पड़ता। धार्मिक उन्माद फैलाने के लिए देश के खाली बैठे नौजवानों को मोहरों की तरह इस्तेमाल किया जाता है, जबकि राजनेताओं के बच्चे ऐसे फसादों से दूर विदेशों में उच्च शिक्षा लेकर आराम की जिंदगी बसर करते हैं। अब यह लोगों को विचार करना चाहिए कि वे अपनी भावी पीढ़ी को धर्म के नाम पर फैलाई जा रही नफरत की आग में झुलसने दें, या उन्हें राजनैतिक दलों की कठपुतली बनने से बचाएं।

भाजपा को अपनी रणनीति पर सोचना होगा

अजीत द्विवेदीकर्नाटक के चुनाव नतीजों की जैसी व्याख्या भाजपा कर रही है या कम से कम उसके प्रवक्ता टेलीविजन की बहसों और सोशल मीडिया के विमर्श में जिस तरह से इसका बचाव कर रहे हैं वह भाजपा के लिए आत्मघाती हो सकता है। यह सही है कि उसने अपना वोट नहीं गंवाया है। वह अपना पारंपरिक 36 फीसदी वोट बचाए रखने में कामयाब रही है। लेकिन उसे समझना होगा कि यह वोट उसकी जीत की गारंटी नहीं है। त्रिकोणात्मक चुनाव में इतने वोट पर चुनाव जीता जा सकता है लेकिन किसी भी राज्य में आमने सामने के चुनाव में यह आंकड़ा बहुत कम है। कर्नाटक की तीसरी पार्टी जेडीएस ने पांच फीसदी वोट गंवाए तो कांग्रेस को भाजपा से 70 सीट ज्यादा मिल गई। भाजपा और कांग्रेस में सात फीसदी वोट का अंतर है लेकिन कांग्रेस को उससे दोगुने से ज्यादा सीटें मिली हैं। इसलिए 36 फीसदी वोट मिलने के नाम पर हर रणनीति का बचाव करना ठीक नहीं है। भाजपा को इस चुनाव से सबक लेना होगा और राजनीतिक मुद्दों से लेकर संगठन तक में अब तक आजमाए जा चुके नुस्खों पर नए सिरे से विचार करना होगा।मिसाल के तौर पर भाजपा का चुनाव जीतने का एक नुस्खा यह है कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदल दो, मंत्रियों को बदल दो, ज्यादा से ज्यादा विधायकों की टिकट काट दो और नए चेहरों को मैदान में उतारो। कुछ राज्यों में यह रणनीति कारगर रही है लेकिन यह कोई रामबाण नुस्खा नहीं है, जो हर जगह काम करेगा। उत्तराखंड और गुजरात में यह योजना सफल रही थी लेकिन कर्नाटक में यह रणनीति पिट गई। भाजपा ने उम्र के हवाले बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाया था। उसको लग रहा था कि येदियुरप्पा को हटाने से उनके ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से भाजपा को मुक्ति मिल जाएगी, एंटी इन्कम्बैंसी भी खत्म हो जाएगी और नया चेहरा होने से लोगों में उम्मीद बंधेंगी। इस रणनीति पर अमल करते हुए भाजपा को यह ध्यान रखना चाहिए था कि येदियुरप्पा की जगह जो चेहरा लाया जा रहा है वह कितना लोकप्रिय है। इसी तरह एंटी इन्कम्बैंसी कम करने के लिए विधायकों या पूर्व प्रत्याशियों की टिकट काटी गई और राज्य की 224 में से 72 सीटों पर नए चेहरे उतारे गए। इन 72 में से 62 नए चेहरे चुनाव हार गए हैं। जाहिर है सिर्फ चेहरा बदलना पर्याप्त नहीं है। नया चेहरा कितना दमदार है यह ज्यादा अहम है।लेकिन भाजपा इस पर विचार इसलिए नहीं करती है क्योंकि उसे लगता है कि एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा ही काफी है, किसी दूसरे दमदार चेहरे की जरूरत नहीं है। इस सोच की सीमाएं भी कर्नाटक में दिखाई दे गई हैं। प्रधानमंत्री का चेहरा दांव पर लगाने के बावजूद भाजपा वहां कुछ नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री का चेहरा भाजपा के काम नहीं आया क्योंकि स्थानीय स्तर पर जो चेहरे थे लोग उनसे नाराज थे। मोदी के चेहरे पर चुनाव लडने और जीतने के भरोसे में भाजपा ने अपने कई मजबूत नेताओं को किनारे किए, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ी। उनको अपना मुख्यमंत्री चुनना था, जबकि प्रचार गुजरात और उत्तर प्रदेश के नेताओं के चेहरे पर हो रहा था। कर्नाटक जैसे भाषायी अस्मिता वाले राज्य की संवेदनशीलता का जरा भी ध्यान रखा गया होता तो राष्ट्रीय और प्रादेशिक नेताओं के चेहरों का एक संतुलन बनाने का प्रयास होता। भाजपा को समझना होगा कि निराकार चेहरों को आगे करके हर जगह मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जा सकता है।इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डबल इंजन की सरकार का एक नैरेटिव बनाया है। सोचें, देश में दशकों तक केंद्र और राज्यों में कांग्रेस की ही सरकारें होती थीं लेकिन तब किसी ने विकास के लिए दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार होने यानी डबल इंजन की सरकार की जरूरत नहीं बताई। लेकिन अब हर जगह डबल इंजन की सरकार की जरूरत बताई जाती है। इसके अगर कुछ फायदे हैं तो नुकसान भी है। डबल इंजन की सरकार डबल एंटी इन्कम्बैंसी भी लाती है। उसकी विफलताएं भी दोहरी हो जाती हैं। लोगों का काम नहीं होता है या उनकी मुश्किलें बढ़ती हैं तो उनकी नाराजगी भी दोहरी होती है। वे डबल इंजन की सरकार को डबल फेल यानी दोगुना अक्षम मानने को मजबूर होते हैं। इससे उनका गुस्सा भी डबल होता है और वे दोहरे जोश के साथ नया विकल्प आजमाते हैं। कम से कम कर्नाटक में तो यही देखने को मिला है।कर्नाटक नतीजों के बाद भाजपा को अपने चुनावी एजेंडे के बारे में भी गंभीरता से सोचना होगा। उसे समझना होगा कि हिंदुत्व या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने वाले एजेंडे की भी एक सीमा होती है या उसकी भी एक्सपायरी डेट होती है। हर जगह और हर समय यह एजेंडा नहीं चल सकता है।

सामाजिक न्याय का चुनाव

कर्नाटक में 17 फ़ीसदी दलित आबादी है। खड़गे की मौजूदगी के कारण बड़े पैमाने पर दलित समाज कांग्रेस के साथ आया है। राष्ट्रीय स्तर पर 16.7 फीसदी दलित है। दलित कांग्रेस का आधार वोट रहा है। बीएसपी के कमजोर होने से दलित समाज की कांग्रेस में घर वापसी हो सकती है। जाहिर तौर पर उत्तर भारत में खोई हुई जमीन पाने के लिए दलित प्रधानमंत्री का नैरेटिव मददगार साबित हो सकता है। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। इस चुनाव पर समूचे देश की निगाहें टिकी हुई थीं। राजनीतिक हलकों और हिन्दी मीडिया में पहली बार कर्नाटक चुनाव खास चर्चा में रहा। दरअसल, यह चुनाव आने वाले वक्त की राजनीतिक दिशा तय करने वाला माना गया। राजनीतिक विश्लेषक इसे लोकसभा चुनाव-2024 का पहला सेमीफाइनल कह रहे थे। कांग्रेस पार्टी की सफलता ने नरेन्द्र मोदी और भाजपा की दिग्विजयी छवि पर ब्रेक लगा दिया है। इस जीत से अचानक कांग्रेस की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। जाहिर तौर पर इससे विपक्ष की राजनीति मजबूत होगी और इसमें कांग्रेस की भूमिका भी असरदार होगी। इसीलिए कई एंगल से कांग्रेस की जीत का विश्लेषण किया जा रहा है। भाजपा की पराजय की पड़ताल हो रही है।पहला सवाल तो यह है कि कांग्रेस को इतनी बड़ी जीत क्योंकर प्राप्त हुई? दरअसल, लंबे समय के बाद कांग्रेस ने कर्नाटक में बहुत व्यवस्थित और संगठित होकर चुनाव लड़ा। एक तरफ सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार जैसे स्थानीय नेताओं ने सत्ता संघर्ष के बावजूद एकजुट होकर चुनाव लड़ा। दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने गृहराज्य में भाजपा के सुपर स्टार प्रचारक नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला बोला। बेहद सीनियर, अनुभवी और दलित समुदाय से आने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस के सामाजिक समीकरण को भी मजबूत बनाया। इस जीत से कांग्रेस के भीतर उनका कद और अधिक प्रभावशाली हो गया है।

कर्नाटक के चुनाव नतीजे कांग्रेस के लिए बहुत मायने रखते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद यह पहला चुनाव था। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने 14 दिन कर्नाटक में गुजारे थे। इस दरम्यान उन्होंने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूस्ट किया। कर्नाटक की तस्वीरों ने राहुल गांधी की यात्रा और उनके मकसद को अधिक गाढ़ा बनाया। राहुल गांधी ने लोगों से मिलकर उनकी मुश्किलों और जरूरतों

को जाना- समझा। कांग्रेस का दावा है कि लोगों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर ही उसका संकल्प पत्र तैयार किया गया। इन उम्मीदों को पूरा करना कांग्रेस की प्रतिबद्धता है। यह चुनाव राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का सोशल ऑडिट था। इस जीत ने भारत जोड़ो यात्रा की सफलता की इबारत लिख दी है। खुद राहुल गांधी ने इसे मुहब्बत की जीत और नफरत की हार बताया है।यह चुनाव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भी सोशल ऑडिट था। अध्यक्ष होने के बाद उनका भी यह पहला चुनाव था। विदित है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अशोक गहलोत के इंकार के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे गांधी परिवार के अघोषित आधिकारिक प्रत्याशी बने। केरल के अभिजात शशि थरूर के मुकाबले कन्नड़ दलित खड़गे अध्यक्ष चुने गए। लगता है, कांग्रेस पार्टी खड़गे के मार्फत 21वीं सदी की भारतीय राजनीति की नई इबारत लिखने जा रही है। यह सवाल राजनीतिक हवाओं में खुशबू बनकर तैर रहा है कि आजादी के 75 साल बाद क्या खड़गे पहले दलित प्रधानमंत्री हो सकते हैं? क्या खड़गे को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस पार्टी ऐसा नैरेटिव तैयार कर रही है? क्या कांग्रेस डॉ. आंबेडकर के सपने को पूरा करने जा रही है? 25 नवंबर, 1949 को 20वीं सदी के सबसे प्रबुद्ध, अविस्मरणीय और संविधान सभा के अपने अंतिम भाषण में बाबा साहब ने कहा था कि, %दलित समाज द्विजों की गुलामी का बोझा ढोते-ढोते थक गया है। अब उसे सत्ता चाहिए।% यही समाज सच्चे अर्थ में विषमता ग्रस्त भारत में सामाजिक न्याय स्थापित कर सकता है। गांधीजी का सपना भी तभी साकार हो सकता है। %अंतिम व्यक्ति के आंसुओं% को वही पौंछ सकता है, जो उस दर्द और पीड़ा को जानता हो। संभवतया इसीलिए गांधीजी ने नेहरू और पटेल को सलाह दी थी कि संविधान प्रारूप समिति का अध्यक्ष डॉ. आंबेडकर को बनाया जाए।कर्नाटक में 17 फ़ीसदी दलित आबादी है। खड़गे की मौजूदगी के कारण बड़े पैमाने पर दलित समाज कांग्रेस के साथ आया है। राष्ट्रीय स्तर पर 16.7 फीसदी दलित है। दलित कांग्रेस का आधार वोट रहा है। बीएसपी के कमजोर होने से दलित समाज की कांग्रेस में घर वापसी हो सकती है। जाहिर तौर पर उत्तर भारत में खोई हुई जमीन पाने के लिए दलित प्रधानमंत्री का नैरेटिव मददगार साबित हो सकता है।कर्नाटक चुनाव कई मायने में खास है। पिछले 8-9 साल में पहली बार कांग्रेस ने आक्रामक प्रचार किया। कांग्रेस ने प्रदेश भाजपा नेतृत्व पर ही नहीं, बल्कि भाजपा के सुपरस्टार प्रचारक; गोदी मीडिया और समर्थकों के लिए देवतुल्य बन चुके नरेंद्र मोदी पर भी जमकर निशाना साधा। दरअसल, पिछले 9 साल में यह मिथ बना दिया गया कि नरेंद्र मोदी पर हमला करना विपक्ष के लिए आत्मघाती है। किंचित जीते गए चुनावों के जरिए इसको इतना प्रचारित किया गया कि विपक्ष ही नहीं बल्कि बहुत सारे बौद्धिक-विश्लेषक भी भयभीत हो चुके हैं। इसलिए उन्होंने नरेंद्र मोदी पर हमला करना लगभग भुला दिया है। लेकिन कर्नाटक चुनाव में इस मिथ को दरकिनार करके कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जब भाजपा की विचारधारा को जहरीला सांप कहा तो नरेंद्र मोदी ने 91 गालियों की लिस्ट जारी करके विक्टिम कार्ड खेला। इसके जवाब में प्रियंका गांधी ने बेहद हल्के और मजाकिया अंदाज में मोदी मिथ को हवा में उड़ा दिया। राहुल गांधी ने भ्रष्टाचार और देश की बदहाली से जुड़े सवालों को उठाया। नरेन्द्र मोदी की विभाजनकारी राजनीति का पर्दाफाश किया। दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी पूरे चुनाव में नैरेटिव पकड़ने की कोशिश करते रहे। जैसे ही कांग्रेस ने अपने संकल्प पत्र में पीएफआई और बजरंग दल जैसे कट्टरतावादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया, मोदी को लगा बूटी मिल गई है। उनके भक्त यूरेका... यूरेका चिल्लाने लगे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश और धर्मनिरपेक्ष भारतीय संविधान की परवाह किए बगैर नरेंद्र मोदी ने चुनाव को धार्मिक रंग देना शुरू कर दिया। उन्होंने बजरंग दल को बजरंगबली के साथ जोड़ दिया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस बजरंगबली को ताले में बंद करना चाहती है। गोदी मीडिया ने भी इस मुद्दे को बेहद आक्रामकता के साथ उठाया। हिन्दी पट्टी के लोगों को लगने लगा गया कि आखिरी क्षणों में मोदी ने चुनाव को बदल दिया है। सेकुलर बौद्धिक चिंतित होकर कांग्रेस को कोसने लगे कि मोदी जैसे प्रभावशाली वक्ता को बैठे-बिठाए धार्मिक मुद्दा दे दिया। यह भी उसी तरह का नैरेटिव है कि हिंदुत्व के मुद्दे पर नरेंद्र मोदी हारते हुए चुनाव को विपक्ष के पाले से खींच लाते हैं। इसलिए विपक्ष और बौद्धिक समाज भयभीत रहता है। कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव में बेखौफ होकर भाजपा और नरेन्द्र मोदी की प्रोपेगंडा राजनीति का डटकर मुकाबला किया। हालांकि राहुल गांधी पिछले दो-तीन सालों से आरएसएस और उनके विचारकों पर हमलावर हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र में उन्होंने वीडी सावरकर की देशभक्ति पर सवाल उठाते हुए माफी वीर कहा। तब भी कुछ विश्लेषकों ने इसे सेल्फ गोल कहा था। लेकिन राहुल गांधी अपनी बात पर डटे रहे। उन्होंने कांग्रेस के भीतर के दक्षिण पंथियों को भी स्पष्ट संकेत दिया कि उनकी जरूरत पार्टी को नहीं है। राहुल गांधी विभाजनकारी सांप्रदायिक राजनीति का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं। इसलिए संभवतया कांग्रेस ने साहसिक कदम उठाते हुए बजरंग दल को बैन करने की बात की। कर्नाटक की जीत ने कांग्रेस पार्टी के इस कदम पर मुहर लगा दी है। क्या यह नई कांग्रेस है, जिसे राहुल गांधी की कांग्रेस कहा जा रहा है। राहुल गांधी पंथनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन का संकल्प पत्र इसकी गवाही देता है।

टोंकी के श्री गोपाल कृष्ण रामदेव जी मंदिर में पांच दिवसीय मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव पर निकली भव्य कलश यात्रा

पुष्पाजंली टुडे

मनावर। ग्राम टोंकी में श्रीगोपाल कृष्ण रामदेवजी मंदिर में पांच दिवसीय मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मंगलवार को टीकमगढ़ के संगीतमय सुंदरकांड मंडली द्वारा भजनों की भव्य प्रस्तुति देकर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का विधि-विधान से शुभारंभ कर अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज द्वारा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि अभा सिर्वी महासभा मप्र पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश मुकाती, तहसील अध्यक्ष संदीप सेप्टा, जिला जनपद सदस्य गणेश जर्मन, अध्यक्षता मोहन गेहलोत व सुंदरकांड के लाभार्थी लखन हाम्? आदि का समाजजनों द्वारा मंच पर केसरिया दुपट्टे के साथ ही प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोहन पंवार ने किया। बुधवार को प्राण प्रतिष्ठा-महोत्सव पर ढोल-धमाकों के साथ ग्राम में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिलाएं व युवतियां सिर पर कलश धारण कर लाल वस्त्र में शामिल हुई। जिसका ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया। कलष

यात्रा के समापन अवसर पर रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें युवा संगठन व महिला मंडली का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर उपाध्यक्ष प्रकाष रणछोड़, दीपक कोटवाल, राधेष्याम पंवार, राजेंद्र रठौर, मांगीलाल सिर्वी, ष्याम काग, संतोष सोलंकी, जितेंद्र पंवार आदि षामिल थे। गौरतलब है श्री गोपाल कृष्ण रामदेव जी मंदिर में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार को अखिल भारतीय काव्य महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय कवि मुकेश मोलवा के साथ दिनेश देसी घी, मुन्ना बैटरी, सुमित्रा सरल, प्रियंका राय आदि कवि शामिल होंगे। शुक्रवार को भजन संध्या का आयोजन राजस्थान की प्रसिद्ध गायिका आशा वैष्णव की टीम द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगा। चैथे दिन ग्राम में मूर्ति को भ्रमण कराया जाएगा, जिसमें संत श्री योगेशजी महाराज भी शामिल होंगे। मूर्ति भ्रमण के दौरान शोभायात्रा में ढोल, डीजे, घोडा व् झांकी के साथ ही आदिवासी राठवा नृत्य दल भी शामिल होगा। पांचवें दिन प्रातः 5 से 7 बजे तक आचार्य गंगेश शर्मा टोंकी द्वारा विधि विधान से मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठा कर यज्ञ में आहुति दी जाएगी। इसके पश्चात महाआरती कर भंडारे में भोजन प्रसादी का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षत्रिय सिर्वी समाज सकल पंच टोंकी के वरिष्ठजनों व युवाओं तथा मातृशक्ति का महत्व पूर्ण सहयोग रहेगा है।

रोजगारोन्मुखी व्यवसायों में कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 26 मई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । म.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला पंचायत द्वारा वर्ष 2023-24 में कौशल विकास कार्यक्रम अन्तर्गत जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को इलेक्ट्रीशियन घरेलू उपकरण, मोटर बाईडिंग, सोलर पेनल इंस्टालेशन रिपेयरिंग, अगरबत्ती निर्माण, बेसिक सिलाई गारमेंट, फैशन डिजाईनिंग, प्लम्बर, राजमिस्त्री, दोना पत्तल, बेकरी, लेदर फुटवियर ऑपरेटर, इलेक्ट्रीशियन, लेदर गुड्स, मोबाईल रिपेयरिंग, कृत्रिम आभूषण निर्माण, कत्तिन बुनकर, जरी जरदोजी, हैण्ड इम्ब्रोइडरी, स्पीनिंग ऑन न्यू मॉडल चरखा, असिस्टेंट फैशन सेल एंड शोरूम रिप्रंसेटिव, इलेक्ट्रीशियन इंडस्ट्रियल, जिक-जैक मशीन एम्ब्रोईडरी, कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग, लेदर फुटवियर, मशीनिस्ट (सीएनसी मशीन ऑपरेटर), रिटेल सेल एसोसिएट, फेब्रिक ड्रफ्टिंग एवं कटिंग शर्ट सफारी एवं कुर्ता, ड्रफ्टिंग एवं कटिंग-ट्राउजर एवं पायजामा, फिटंग एवं कटिंग- जैकेट एवं जोधपुरी, बटिक प्रिंटिंग स्पेशलिस्ट, टाई एवं डाई स्पेशलिस्ट, ब्लॉक प्रिंटर, एडवांस फैशन डिजाईनिंग, फैशन डिजाईन टेक्नोलोजी, डीटीपी एवं प्रिंट पबलिशिंग असिसमेंट, प्लेन बीविंग ऑन फ्रेम लूम, एडवांस हैण्डलूम बीविंग, बेसिक हैण्डलूम बीविंग, टैली एकाउंटिंग जीएसटी इत्यादि व्यवसायों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिलवाए जाने हेतु आनलाईन आवेदन 26 मई 2023 तक करें। ऑनलाईन हेतु प्रशिक्षण के लिए पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्रभारी प्रबंधक मप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला पंचायत कार्यालय, भिण्ड में कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है। उक्त जानकारी प्रभारी प्रबंधक खादी तथा ग्रामोद्योग द्वारा दी गई है।

भागवत कथा में महाराज जी ने बताया कि कलयुग कहा रहता है

दैनिक पुष्पांजली टूडे

भिंड जिले के सूरपुरा के जलुआपुरा गांव में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के आज दुसरे दिन अनृतरराष्ट्रीय कथा वाचक क्षी श्याम जी महाराज श्री धाम वृंदावन के मुखारविंद से महाभारत में जब राजा परीक्षित नगर भ्रमण पर निकले उसी समय रास्ते में गाय और बैल रो रहे थे उनके पीछे एक काली किस्म आदमी पीछे पड़ा हुआ था उसको देख कर राजा ने अपनी तलवार निकल ली तो वह आदमी पैरों में गिर गया कहा कि मैं कलयूग हूं महराज मुझे

भी रहने के लिए जगह दो में कहां रहू महाराज जी बताया इन चीजों में रह सकते हो कलयूग मदिरापान,जुआ, वेश्यावृत्ति, क्रोध , एवं सोने में आदि जगह पर कलयुग का निवास रहता है कथा की परीक्षत विटटी पत्नी अभिलाख बरुआ संयोजक राकेश वरुआ , संतोष शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, सी पी तिवारी, कथा सुनने पहुंचे ब्रज भूषण सिंह कुशवाह वरिष्ठ पत्रकार, मालनपुर जय सिंह राजावत, यशपाल सिंह, समस्त क्षेत्र व ग्रामवासी यो कथा श्रवण की एवं आनंद लिया

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह
श्रीस्थल संग्रहालय, सिद्धपुरमे मनाया गया

निल कुमार, ब्यूरो
पुष्पाजली टुडे

पाटन/गुजरात। श्रीस्थल संग्रहालय, सिद्धपुर, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, खेल और युवा सांस्कृतिक गतिविधियाँ, गुजरात राज्य ने 18 मई 2023 को श्रीस्थल संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दिन के अवसर पर, संग्रहालय में आने वाले आगंतुकों और बच्चों के लिए विशेष रूप से मिट्टी के बर्तनों के खिलौने की कार्यशाला और कट पुतली खेल का आयोजन किया गया। संग्रहालय में मिट्टी के बर्तनों के खिलौने की कार्यशाला मे श्री जीतूभाई ओतीया ने बच्चों को मिट्टि के खिलौने बनाना सिखाया। उन्होंने पाटन के इस मिट्टी के बर्तनों के शिल्प से लोगों को अवगत कराया। साथ ही सहायक क्यूरेटर श्रीमती तेजल परमार ने आगे बताया कि म्यूजियम में आने वाले दर्शकों और बच्चों को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से कट पुतली खेल का आयोजन किया गया। जिसे विजिटर्स और बच्चों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

'मिशन लाइफ' अभियान 2023' राष्ट्र के एक सतत् भविष्य के लिए 30 एमपी बटालियन एनसीसी के कैडेटों की प्रतिज्ञा

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

यदि आप प्रकृति से प्यार करते हैं, तो प्रकृति अपनी लुभावनी भव्यता से आपको चकाचौंध कर देगी - कर्नल जगदीश राव

भिण्ड । 'मिशन लाइफ अभियान÷ 2023 के तहत् 30 एमपी बटालियन एनसीसी भिण्ड ने एक संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कमांडिंग आफीसर कर्नल जगदीश राव ने एनसीसी कैडेट्स को पर्यावरण के बचाव के लिए शपथ दिलाई और पर्यावरण की रक्षा के लिए अपनी दैनिक जीवन शैली में महत्वपूर्ण संकल्प लिया।इस दौरान कैडिटों को संबोधित करते हुए कमान अधिकारी ने बताया कि प्रकृति को बचायेंगे तभी हम जीवित रह पायेंगे। प्रकृति ही हमारी जिंदगी को सुन्दर और स्वस्थ बनाती है, ÷यदि आप प्रकृति की सुन्दरता से प्यार करते हैं, तो प्रकृति अपनी लुभावनी भव्यता से आपको चकाचौंध कर देगी÷ इस मौके पर उन्होंने प्रत्येक कैडिट से एक वृक्ष लगाने, पौलीथिन का स्तेमाल न करने, साईकिल तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का स्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अलावा कमान्डिंग आफीसर ने ऊर्जा बचाने, पानी बचाने, टिकाऊ खाद्य प्रणालियों को अपनाने और पर्यावरण की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकता और एक ग्रीन व सस्टेनेबल डब्लपमेंट पर जोर देने को कहा। कमान अधिकारी ने बताया कि हमारा लक्ष्य मिशन लाइफ कान्सैप्ट और अपने पर्यावरण को खराब होने से बचाना है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो में सीओपी 26 के दौरान 'मिशन लाइफ अभियान' की घोषणा की थी। इसके उपरान्त उपस्थित कैडिटों को शपथ दिलाई गयी इस मौके पर जैन डिग्री कालेज, ह्या.से. स्कूल नं. - 1, एमजेएस कालेज एवं मेहगांव कालेज के 150 कैडिट के साथ 30 एमपी बटालियन एनसीसी भिण्ड के कर्नल सुमित पंत, सूबेदार मेजर सुनील कुमार और समस्त पीआई स्टाफ मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी ने कृषि मंत्री कमल पटेल का किया विरोध

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आम आदमी पार्टी के पधाधिकारी एवं कार्यकर्ता परेड चौराहे पर शाम 4 बजे मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री का पुतला जलाने के लिए एकत्रित हुए। आप नेताओं के आने से पहले ही भारी पुलिस बल फायर ब्रिगेड के साथ परेड चौराहे पर तैनात था। आप कार्यकर्ताओं ने जैसे ही पुतला को लेकर प्रदर्शन शुरू किया वैसे ही पुलिस ने फायर ब्रिगेड से कार्यकर्ताओं और पुतले के ऊपर पानी की बौछार छोड़ दी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और आप नेताओं के बीच पुतले को लेकर झूमा झटकी हुई। पुलिस प्रशासन के अधिकारी जैसे ही आप जिला सचिव धीरज गुप्ता के हाथ से पुतला छीनने के लिए आगे बढ़े वैसे ही आप कार्यकर्ता पुतले को खींचने लगे। पुतला के टुकड़े टुकड़े हो गए कुछ टुकड़े पुलिस के हाथ लगे तो कुछ आप कार्यकर्ताओं के हाथ आए इसी बीच पुलिस से पुतले को लेकर हाथापाई में आप जिला सचिव धीरज गुप्ता के हाथ में मामूली खरोंच भी आ गई।आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अरविन्द जोशी जी ने मीडिया को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि भोपाल में हाल ही में हुए जाट

महाकुंभ में आम आदमी पार्टी, मध्य प्रदेश के प्रभारी एवं दिल्ली विधायक बीएस जून से कृषि मंत्री कमल पटेल ने बदसलूकी की थी।आप के प्रभारी बीएस जून जाट महाकुंभ में शामिल होने पहुंचे थे।मंच पर जैसे ही आप के मध्यप्रदेश प्रभारी बीएस जून ने किसानों के मुद्दे, उनके हक को लेकर बोलना शुरू किया। मंच पर ही कृषि मंत्री कमल पटेल ने उन्हें किसानों के मुद्दे और उनके हक की बात करने से रोका। इतना ही नहीं दिल्ली से आप विधायक और प्रभारी बीएस जून को मंत्री कमल पटेल ने मंच से नीचे उतारने की धमकी भी दी। श्री जोशी ने आगे कहा कि ये सरकार किसानों के मुद्दों, उनकी परेशानियों पर चर्चा करने से डरती क्यों हैं। किसानों की बात करने वाले आप प्रभारी बी एस जून को धमकी क्यों दी गई। क्या किसानों की बात करना, उनके हक को लेकर आवाज उठाना सरकार की निगाह में गुनाह है। ये आम आदमी पार्टी के प्रभारी बी एस जून और आम आदमी पार्टी का नही बल्कि मध्य प्रदेश के करोड़ों किसानों का अपमान हैं। जिनकी आवाज उठाने पर आप के नेता को धमकाया गया। किसानों के अपमान के विरोध में आम आदमी पार्टी कृषि मंत्री कमल पटेल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। आम आदमी पार्टी की मांग है कि कृषि मंत्री किसानों के अपमान करने के मामले में माफी मांगे।प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से डॉ. उमाशंकर मिश्रा, यशवंत पटवारी,मेजर अंतराम प्रजापति, दानवीर दीक्षित, जगदीश सिंह भदौरिया, प्रदीप यादव, कमलेश त्रिपाठी, जबर सिंह यादव, रजनीश जोशी, विजय शर्मा, सत्यनारायण कतरोलिया, शिवम पचौरी, शिवम सिंह, गोपाल राजावत, पवन शर्मा,विक्रान्त दीक्षित, जयदीप सिंह राजावत (फौजी सरकार) सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में अटेर एवं भिण्ड ब्लॉक की बीएलबीसी बैठक संपन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में ला?ली बहना योजना के क्रियान्वयन हेतु अटेर एवं भिण्ड ब्लॉक की बीएलबीसी बैठक कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में आयोजित की गई। इस दौरान एलडीएम प्रताप सिंह, संबंधित बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस द्वारा ला?ली बहना योजना के क्रियान्वयन में बैंकों की भूमिका के विषय में विस्तार से चर्चा की गई तथा समस्त बैंकों एवं इण्डिया पोस्ट पेमेंट विभाग से कहा कि ग्राम वार शेष ग्रामों की सूची प्राप्त कर जो लोग योजना से जु? नहीं पाए हैं उनको युद्ध स्तर पर योजना से जो?ने का कार्य करें इसके साथ सीएम हेल्पलाइन पीएमईजीपी विभिन्न रोजगार योजनाएं तथा एनआरएलएम एवं एनयूएलएम, पशुपालन एवं मत्स्य पालन, कृषि बीमा तथा वित्तीय साक्षरता के विभिन्न विषयों पर पिछले वर्ष की समीक्षा तथा आगामी वक्त के लक्ष्य बैंकों को प्रदान किए गए। एलडीएम श्री प्रताप सिंह द्वारा सभी बैंकों को बताया गया कि इस माह के अंत में रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान करें एवं मेले में स्टॉल हेतु अपनी तैयारी पूरी रख

बड़ी कार कंपनियां खत्म कर रहीं डीलरों का एकाधिकार

ग्वालियर. डीलरों की मोनोपाली खत्म करने के लिए सबसे पहले हुंडई कंपनी ने कदम बढ़ाया और अब मारुति कंपनी ने शहर में दूसरी फर्म को डीलरशिप दे दी है। आने वाले समय में महिंद्रा और टाटा कंपनियां भी दूसरा डीलर नियुक्त कर सकती हैं। शहर के कई बड़े व्यापारी कार की डीलरशिप लेने के लिए जोड़-तोड़ में गए हैं। कुल मिलाकर अब व्यापारियों के बीच की प्रतिस्पर्धा ग्राहकों को सुविधाएं और लाभ दिला रही है। शहर में हुंडई और मारुति कंपनी के दो-दो डीलर बन चुके हैं। इसका लाभ ग्राहकों को कार की खरीद से अधिक सर्विसिंग में मिल रहा है, क्योंकि ग्राहक के पास कार की खरीद व सर्विसिंग के लिए दो-दो विकल्प तैयार हो चुके हैं। मारुति के दूसरे डीलर निकुंज मोटर्स पर लेबर चार्ज में 25 फीसद की छूट के साथ एलाइनमेंट, नाइट्रोजन गैस, कंप्युटर से जांच फ्री कर रहे हैं। इसके अलावा पूरे बिल पर भी आफर देने की बात ग्राहकों को बताई जा रही है। इसी तरह प्रेम मोटर्स की ग्वालियर सहित कई राज्यों में डीलरशिप है। एजी पुल के पास स्थित सर्विस एजेंसी पर लेबर चार्ज पहले से ही कम कर दिया है। इसके अलावा एलाइनमेंट पर 50 फीसद की छूट, कंप्यूटर से जांच के 200 रुपये और नाइट्रोजन गैस फ्री देने का आफर ग्राहक को दिया जा रहा है।

मीना एवं रामकली जैन दीक्षा ग्रहणकर बनेंगी जैन साध्वी

सोमवार 5 जून को ग्राम हथनी (दमोह) में होगी दीक्षा

मुरेना । जैन समाज मुरेना की दो विदुषी महिलाएं आत्मकल्याण हेतु गृह त्यागकर 5 जून को जैनेश्वरी दीक्षा धारणकर जैन साध्वी बनेंगी ।

जैन धर्म के मतानुसार पुरुषों द्वारा मुनि दीक्षा एवं महिलाओं द्वारा आर्यिका दीक्षा ग्रहण करना परम सौभाग्य की बात मानी जाती है । जैन साधु या साध्वी बनना तलवार की धार पर चलने जैसा है । दीक्षा लेने के बाद आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करने के साथ ही वर्ष में तीन चार बार सिर के बाल हाथों से निकालने होते हैं । चौबीस घण्टे में एकबार अन्न पानी (आहार) करपात्र में लेना होता है । सभी प्रकार के वाहन का त्यागकर पद यात्रा करनी होती है । सभी प्रकार के सांसारिक सुखों का त्याग करना होता है ।

मुरेना नगर के वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योगपति पवन जैन (रतीराम पुरा वाले) की मातुश्री श्रीमती मीना जैन धर्मपत्नी स्व.श्री ओमप्रकाश जैन एवं स्थानीय शिक्षक नीलेश जैन की मातुश्री श्रीमती रामकली जैन

धर्मपत्नी श्री नत्थीलाल जैन (चांदपुर वाले) ने सांसारिक सुख, मोह माया का त्यागकर जैनेश्वरी आर्यिका दीक्षा ग्रहण करने का द्? निश्चय किया है । आप दोनों विदुषी महिलाओं को ग्राम हथनी (दमोह) मध्यप्रदेश में सोमवार 5 जून 2023 को परम पूज्य अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या गणिनी आर्यिका श्री सौम्य नन्दिनी माताजी के करकमलों द्वारा क्षुल्लिका जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी

दीक्षार्थी श्रीमती मीना जैन का जन्म 5 जुलाई 1956 को मध्यप्रदेश के मुरेना जिले की अम्बाह तहसील के ग्राम अझेड़ा में जैसवाल जैन श्रावकश्रेष्ठि श्री देवीराम चन्द्रावली जैन के परिवार में हुआ था । आपने 8वीं तक लौकिक शिक्षा ग्रहण की । आपकी शादी मुरेना जिले के रतीराम पुरा ग्राम में जैसवाल जैन श्रावक श्रेष्ठि श्री श्यामलाल ज्ञानमती जैन रावत गोत्रीय के पुत्र श्री ओमप्रकाश जैन से हुई थी । आपके परिवार में इकलौता पुत्र पवन जैन, पुत्रबधू शशि जैन एवं नाती ऋषभ, शुभम हैं ।

द्वितीय दीक्षार्थी श्रीमती रामकली जैन का जन्म 1954 में राजस्थान के राजाखे?ा में जैसवाल जैन श्रावक श्रेष्ठि अमीरचंद अंगुरीदेवी जैन के परिवार में हुआ था । आपकी शादी मुरेना जिले के चांद का पुरा ग्राम में जैसवाल जैन श्रावक श्रेष्ठि श्री देवीराम कलावती जैन के कोलानायक गोत्रीय परिवार में नत्थीलाल जैन के साथ हुई थी । आपके परिवार में पति, संतोष, नीलेश पुत्रों, पुत्रबधुओं, नातीयों सहित भरापूरा परिवार है ।

बूथ विजय संकल्प अभियान के तहत नरखेड़ा जागीर में सम्मेलन का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में मुख्यवक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को दी जानकारियां

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। बूथ विजय संकल्प अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने हेतु शक्ति केन्द्र भगवंतपुर एवं नरखेड़ा जागीर के भाजपा कार्यकर्ताओं का संयुक्त सम्मेलन बुधवार को चितावर मण्डल के ग्राम नरेखड़ा जागीर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर तीन सत्रों में आयोजित कार्यक्रम उपस्थित कार्यकर्ताओं को पार्टी की आगामी कार्य योजना की जानकारी देने के साथ ही विभिन्न खेलों का आयोजन भी हुआ।

तीन सत्रों का हुआ सम्मेलन-इस अवसर पर आयोजित सम्मेलन में प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जनपद

अध्यक्ष जितेन्द्र बघेल ने भाजपा केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाल। द्वितीय सत्र में रामगुलाम राजोरिया और तृतीय सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में मुकेश तिवारी भाजपा जिला महामंत्री ने भाजपा में कार्य करने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सम्मेलन में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास इस मूल मंत्र पर आधारित होकर कार्य कर रही है। भाजपा सरकार द्वारा हर जाति एवं वर्ग के कल्याण हेतु कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जादौन ने कहा कि आगामी समय में प्रदेश भाजपा सरकार द्वारा पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करने हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है। 20 मई से विशेष जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ होगा विधानसभा स्तर पर अच्छे कार्यक्रम हों इसकी तैयारी अभी से हम सभी कार्यकर्ताओं को करना है।कार्यक्रम में विधानसभा विस्तारक कमलेश जायसवाल, संयोजक कैलाश शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता फूल सिंह दांगी, महेन्द्र सिंह दांगी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी मण्डल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत, सरपंच रामचरण श्रीवास्तव के साथ ही बड़ी संख्या में शक्ति केन्द्र द्वय के कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें कबड्डी, रस्सी खींच, एवं नॉल खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई जिसमें सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन किया। सम्मेलन के दौरान मध्यांतर में सहभोज का आयोजन भी हुआ।

अरविंद कुमार सिंह को डॉक्टर ऑफ फिलासफी की उपाधि

अरविंद कुमार सिंह कृष्ण पाल सिंह जादौन को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ने (डॉक्टर ऑफ फिलासफी) की उपाधि प्रदान कीडॉ. अरविंद कुमार सिंह का जन्म भिण्ड जिले की गोहद तहसील के ग्राम बिरखड़ी में हुआये स्वयं भी एक कृषक परिवार से हैं और कृषि के नये तरीके पर खोज करना इनका शौक रहा हैइन्होंने अपना शोध कार्य मध्य प्रदेश में नेशनल इनोवेशन ऑन क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर पर पूर्ण किया हैडॉ. अरविंद कुमार सिंह की पीएचडी डिग्री की मौखिक परीक्षा इंदिरागांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ के प्रो. डॉ. एम. एल. शर्मा के द्वारा ली गई एवं इनके शोध कार्य का सम्पूर्ण मार्गदर्शन डॉ. वाय. डी. मिश्रा जी द्वारा प्रदान किया गयावर्तमान में डॉ. अरविंद कुमार सिंह के पद पर कार्य रत हैडॉ. सिंह की इस उपलब्धी से उनके परिवार के साथ साथ, समाज एवं मित्रों का मान बढ़ाया है।आपके पहले जोश भरे कदम

धोनी के साइन का किस्सा बताते हुए गावस्कर भावुक

कहा- आखिरी पलों में 2 चीजें देखना चाहूंगा, कपिल का ट्रॉफी उठाना और धोनी का विनिंग सिक्स

इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अपनी शर्ट पर महेंद्र सिंह धोनी के साइन की कहानी बताई है। इस दौरान गावस्कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा, ÷जिंदगी के आखिरी पलों में मैं सिर्फ 2 पल देखना चाहूंगा। पहला- 1983 में कपिल देव का ट्रॉफी उठाना और 2011 में धोनी का विनिंग सिक्स। दरअसल, ये वाकया ढ्ढक्क में 14 मई को खेले गए मैच के दौरान हुआ। इस मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (द्मद्मक्र) ने चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्य) को 6 विकेट से हरा दिया था। मैच के बाद चेपॉक स्टेडियम में धोनी दर्शकों का शुक्रिया अदा कर रहे थे। तभी गावस्कर ने अपनी शर्ट पर धोनी के ऑटोग्राफ लिए। गावस्कर ने कहा, ÷धोनी चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में इस ढ्ढक्क सीजन का आखिरी मैच खेल रहे थे। मैच के बाद ष्टस्य के कैप्टन ने दर्शकों में जर्सी और टेनिस बॉल बांटकर उनका शुक्रिया कहा। धोनी स्टेडियम के चक्कर लगा रहे थे और मैंने इस मौके को यादगार पल बनाने का फैसला किया। इसी वजह से मैं उनका ऑटोग्राफ लेने के लिए दौड़ पड़ा। ये

होम ग्राउंड पर धोनी का आखिरी मैच था। हां, अगर चेन्नई प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाती है तो उन्हें चेपॉक में खेलने का फिर से मौका मिलेगा। पर मैंने उसी पल को खास बनाने का फैसला किया। ये मेरी किस्मत थी कि कैमरा यूनिट में किसी के पास मार्कर पेन था। मैं उस व्यक्ति का भी शुक्रिया अदा करता हूं। इसके बाद मैं माही के पास गया और उनसे रिक्वेस्ट की कि वो मेरी शर्ट पर दस्तखत कर दें। उन्होंने इसे मान लिया। ये मेरे लिए एक बहुत भावुक मौका था, क्योंकि इस आदमी ने इंडियन क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। गावस्कर से जब खास क्रिकेटिंग पलों पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, ÷कपिल देव 1983 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठा रहे हैं और धोनी 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल में विजयी छक्का लगा रहे हैं। ये वो 2 पल होंगे, जो मैं मरने से पहले देखना चाहूंगा। मैच के बाद रिंकू सिंह भी धोनी के पास गए और अपनी टी शर्ट पर ऑटोग्राफ लिया। इससे पहले रिंकू सिंह ने ष्टस्य से द्मद्मक्र की जीत में अहम रोल निभाया। उन्होंने 54 रन की पारी खेली। रिंकू ने कैप्टन नीतीश राणा के साथ 99 रन की पार्टनरशिप की और मैच पलट दिया। गुजरात टाइटंस ढ्ढक्क के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। गुजरात (त्रञ्ज) ने सोमवार को हुए मैच में हैदराबाद को हराया। इस मैच में शुभमन गिल ने सेंचुरी भी जड़ी। लेकिन इसके बावजूद त्रञ्ज के कोच आशीष नेहरा मैच के दौरान खुश नजर नहीं आए। उन्होंने गिल की सेंचुरी भी सेलिब्रेट नहीं की। और तो और बाउंड्री पर कप्तान हार्दिक के साथ उनकी बहस भी हो गई।

गेंदबाज मेरे दिल के बहुत करीब हैं : हार्दिक पांड्या

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि उनकी टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2023 के मैच 62 में सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हराकर मौजूदा सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। पहले बल्लेबाजी करते हुए, शुभमन गिल ने अपना पहला आईपीएल शतक लगाया। उन्होंने 13 चौकों और एक छक्का की मदद से 58 गेंद पर 101 रन बनाए। उनको 36 गेंद पर 47 रन बनाने वाले साई सुदर्शन का अच्छा साथ मिला। टीम ने नौ विकेट पर 188 रनों का

सम्मानजनक स्कोर बनाया। हैदराबाद की ओर से भुवनेश्वर ने अपना दूसरा आईपीएल पंजा (5/31) लिया। मो. शमी ने 21 रन देकर चार विकेट लेकर हैदराबाद सनराइजर्स के टॉप आर्डर की कमर तोड़ दी। फिर मोहित शर्मा ने 24 रन देकर चार विकेट लिए और मध्य क्रम को तहस नहस कर दिया। हैदराबाद की पूरी टीम नौ विकेट के नुकसान पर 154 पर ही रह गई जिसमें हेनरिक क्लासेन (44 गेंद पर 64 रन) का संघर्षपूर्ण प्रयास दिखा। इस तरह गुजरात प्ले-ऑफ के लिए क्वालीफाई कर गई। गत चैंपियन गुजरात टाइटंस को अभी भी एक गेम खेलना है, लेकिन 13 मैचों में नौ जीत के साथ, उसने पहले ही शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की कर ली है। पांड्या ने मैच के बाद कहा, खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है। लगातार दो बार प्लेऑफ में जगह बनाई। खिलाड़ियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपना मनोबल बनाए रखा। हम सही मायने में प्लेऑफ के हकदार हैं। उन्होंने कहा, हमने कई अच्छी चीजें कीं, हमने कई गलतियां कीं, लेकिन हम हमेशा खेल में बने रहे और लगातार बने रहने की कोशिश की। गेंदबाज मेरे दिल के बहुत करीब हैं। कभी-कभी बल्लेबाज बहुत अधिक श्रेय लेते हैं, लेकिन मैं हमेशा गेंदबाजों का कप्तान बना रहूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि उन्हें भी वह क्रेडिट मिले जिसके वे हकदार हैं। गुजरात टाइटंस 21 मई को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने आखिरी लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से भिड़ेगी।

सचिन के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आवारा कुत्ते ने काटा

लखनऊ। पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को एक आवारा कुत्ते ने काट लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में अर्जुन को लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाड़ी यदुवीर सिंह से मिलते हुए दिखाया गया है, जहां दोनों ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान, अर्जुन ने खुलासा किया

कि उन्हें 13 मई को एक कुत्ते ने काट लिया था। कुत्ते के काटने के चलते वह नेट्स पर गेंदबाजी करने में असमर्थ थे। अर्जुन के फैंस सोशल मीडिया पर उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ रहे हैं। वीडियो में देखकर पता चलता है कि कुत्ते ने अर्जुन के बाएं हाथ पर काटा है। चोट के निशान उनकी उंगलियों के पास ही है। बस गनीमत ये है कि वो निशान उतने गहरे नहीं हैं।

इटैलियन ओपन : जोकोविच लगातार 17वीं बार क्वार्टरफाइनल में

रोम। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने रिकॉर्ड 39वें एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब की तलाश जारी रखी जब उन्होंने कैमरून नॉरी को 6-3, 6-4 से हराकर इटालियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वर्तमान विश्व नंबर 1 अब लगातार 17वें वर्ष रोम में अंतिम आठ चरण में है। जोकोविच के करियर का यह 91वां एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टरफाइनल है। जोकोविच अपनी प्रत्येक भागीदारी में टूर्नामेंट के शीर्ष आठ में समाप्त हुए हैं। फोरो इटालिको पर, सर्बियाई खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के छह संस्करण जीते हैं और मौजूदा चैंपियन हैं। 35 वर्षीय जोकोविच रोम में अपने सातवें खिताब का

पीछा कर रहे हैं। उन्होंने 2008, 2011, 2014-15, 2020 और 2022 में इस प्रतियोगिता में जीत हासिल की थी। अपनी 89 मिनट की जीत के बाद, वह अगले मुकाबले में डेनमार्क के होल्गर रूण से भिड़ेंगे। अन्य मैच में, रूण ने एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में एलेक्सी पोपिरिन के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को रोक दिया। 20 वर्षीय डेन ने मंगलवार को चौथे दौर के मुकाबले में कड़े मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज की। रूण, जो रोम में पदार्पण कर रहे हैं, अब इस सीजन में क्ले पर 11-2 का रिकॉर्ड रखते हैं। वर्ल्ड नंबर 7 पिछले महीने मोंटे-कार्लो में फाइनल में पहुंचे थे, इससे पहले उन्होंने म्यूनिख में अपना चौथा टूर-लेवल खिताब जीता था। 2022 पेरिस फाइनल में सर्बियाई को हराने के बाद, डेन आत्मविश्वास के साथ जोकोविच के खिलाफ अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे।

आई पी एल में आज दिल्ली बनाम पंजाब

इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) में आज पंजाब किंग्स (क्कक्चय्स) और दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) के बीच लीग स्टेज का 64वां मुकाबला खेला जाएगा। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शाम 7-30 बजे से मैच खेला जाएगा।

दोनों टीमें 10 साल बाद धर्मशाला मैदान पर आमने-सामने होंगी। इससे पहले साल 2013 में दोनों टीमें यहां भिड़ी थीं, तब पंजाब को सात रन से जीत मिली थी। उस समय पंजाब को किंग्स इलेवन पंजाब और दिल्ली को दिल्ली डेयरडेविल्स के नाम से जाना जाता था। आगे स्टोरी में हम दोनों टीमों का टूर्नामेंट में फॉर्म, टॉप प्लेयर्स, हेड-टु-हेड रिकॉर्ड, पिच रिपोर्ट, वेदर कंडीशन, पॉसिबल प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर्स जानेंगे...

आयरलैंड टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

बेयरस्टो की वापसी, फॉक्स आउट

लंदन। इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ लॉर्डस में 1 जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें बेन स्टोक्स टीम की अगुवाई करेंगे और ओली पोप उप-कप्तान होंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो की वापसी से इंग्लैंड को मजबूती मिलेगी, जो पिछले साल अगस्त से गोल्फ दुर्घटना के बाद से बाएं पैर में फैक्च र और टखने की हड्डी टूटने के कारण बाहर हो गए थे। बेयरस्टो की टीम में वापसी के साथ बेन फॉक्स को टीम से बाहर कर दिया गया है। अपनी दाहिनी कोहनी में तनाव फैक्च र की पुनरावृत्ति के साथ शेष गर्मियों के लिए बाहर होने के बाद जोफ्रा आर्चर भी गायब होंगे। वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मार्क वुड और क्रिस वोक्स हैं, जो मार्च 2022 के बाद पहली बार टेस्ट टीम में वापस आ रहे हैं और अगर चुने जाते हैं, तो यह पिछले दो वर्षों में घरेलू धरती पर उनका पहला टेस्ट होगा।

इंग्लैंड के लिए एक और सकारात्मक पक्ष जेम्स एंडरसन को शामिल करना है, जो समरसेट के खिलाफ लंकाशायर के काउंटी संघर्ष के शुरूआती दिन गेंदबाजी करते हुए चोटिल हो गए थे। ईसीबी ने कहा था कि वे आयरलैंड टेस्ट से पहले उनकी फिटनेस का आकलन करेंगे और उनका टीम में शामिल होना मेजबानों के लिए अच्छा संकेत है। चार दिवसीय टेस्ट 1 से 4 जून तक लॉर्डस क्रिकेट ग्राउंड, लंदन में खेला जाएगा और यह दोनों देशों के बीच केवल दूसरा टेस्ट होगा। दिलचस्प बात यह है कि 2019 में खेला गया पहला मैच भी चार दिन का था, जिसे इंग्लैंड ने 143 रन से जीता था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 जून से शुरू होने वाली घरेलू एशेज के साथ, इंग्लैंड अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी का सामना करने से पहले कुछ खेल समय पाने की उम्मीद कर रहा होगा। इंग्लैंड टीम = बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, जैक लीच, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

बेसबॉल अंपायर ने धूल के बवंडर से बच्ची को बचाया

फ्लोरिडा के बेसबॉल ग्राउंड की घटना; अंपायर की लोग कर रहे हैं तारीफ

फ्लोरिडा। फॉक्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक फ्लोरिडा के जैक्सनविले के फोर्ट कैरोलीन एथलेटिक्स एसोसिएशन बेसबॉल ग्राउंड पर कुछ लोग बेसबॉल खेल रहे थे। उसी दौरान धूल का बवंडर में 7 साल की लड़की फंस गई। लड़की पहचान जोया के रूप में हुई। जोया को फंसा देखकर 17 साल के अंपायर ऐडन विल्स ने तेजी से बच्ची को उसमें से खिंच लिया। जिसकी वजह से बच्ची की जान बच पाई। जिसका वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में सुना जा सकता है कि कुछ लोग यह कह रहे हैं कि तुमने उसकी जान बचा ली। जोया ने बाद में कहा कि मैं डर गई थी। मैं सोच रही थी कि कोई मुझे बाहर निकाल ले। जोया ने कहा कि वह कुछ सेंकेंड के लिए ही धूल के बवंडर में फंसी थी, पर उसे लगा कि वह 10 मिनट तक वह धूल के बवंडर में फंसी हुई थी। बच्ची ने आगे कहा कि मुझे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। मैंने अपनी सांस रोक ली। मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि मैं जमीन को छू नहीं सकती। मैं थोड़ा ऊपर उठ गई थी। धूल का बवंडर गर्मी के दिनों में हल्की हवांओं के साथ धूप में बनती है। जमीन गर्म होने के कारण नमी के अभाव में धूल के कणों की आपस में पकड़ नहीं रह पाती है। ऐसे में ये हवा के साथ बहुत आसानी से ऊपर उठना शुरू कर देते है। हवा की गति चालीस किलोमीटर से अधिक होने पर ये धूल कण एक बवंडर का रूप धारण कर लेते है। बवंडर के साथ धूल कण दस से पचास फीट की ऊंचाई तक उठते हैं। कई बार ये इससे भी अधिक ऊंचाई तक पहुंच जाते है।

बंगाल सरकार ने सौरव गांगुली की सुरक्षा बढ़ाई

अब Z-श्रेणी के घेरे में रहेंगे दादा, पहले Y श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्रष्टष्टढ्ढ) के पूर्व अध्यक्ष और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की सुरक्षा को अपग्रेड किया गया है। अब उनको ' श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। यानी अब उनके साथ हर समय एक एस्कॉर्ट कार चलेगी। गांगुली को पहले से ही ढ्ढ श्रेणी की सुरक्षा बंगाल सरकार की ओर से प्राप्त है। हालांकि, सुरक्षा को बढ़ाने को लेकर सौरव गांगुली की ओर से बंगाल सरकार को कोई अनुरोध नहीं किया गया है। यह कदम बंगाल गवर्नमेंट ने खुद अपने स्तर पर उठाया है। सरकार की ओर से उनकी सुरक्षा को बढ़ाए जाने को लेकर कोई स्पष्ट वजह अब तक नहीं बताई गई है। ऐसे में बंगाल सरकार की ओर से उनकी सुरक्षा बढ़ाए जाने को लेकर राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सौरव

गांगुली के ब्लछ्वक्क में जाने की चर्चा थी। हालांकि, सौरव गांगुली ने कभी भी अपनी ओर से ब्लछ्वक्क या अन्य किसी भी पार्टी में शामिल होने को लेकर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। बाद में यह भी खबरें आईं की केंद्र सरकार और ब्लछ्वक्क नेताओं से उनके रिश्ते खराब हो गए हैं। सौरव को ब्रष्टष्टढ्ढ अध?यक्ष पद से हटना पड़ा। सौरव गांगुली ढ्ढक्कक्की फ्रेंचाइजी टीमी दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं। दिल्ली कैपिटल्स का ढ्ढक्कके 16वें सीजन में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। दिल्ली टीम पहले ही प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। दिल्ली को आज पंजाब किंग?स के खिलाफ धर्मशाला में मैच खेलना है। दिल्ली ने अब तक खेले 12 मैचों में 4 जीते हैं और 8 में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

रेसलर्स विवाद में जांच कमेटी ने मांगे सबूत

पानीपत। भारतीय कुश्ती संघ (ङ्खस्नढ्ढ) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे देश के शीर्ष पहलवानों का आज 24वां दिन है। महिला पहलवानों के भाजपा सांसद और कुश्ती महासंघ प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दर्ज किए गए छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कर रही कमेटी पर शिकायतकर्ता 3 महिला पहलवानों ने अपनी चिंताएं व्यक्त की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पहलवानों का आरोप है कि कमेटी ने उनसे बृजभूषण के खिलाफ छेड़छाड़ के ऑडियो और वीडियो प्रूफ की मांग की है। कमेटी उन्हें सताने का काम कर रही है। कमेटी मेंबरों ने महिला पहलवानों को बताया कि उनके हाथ तब तक बांधे हैं जब तक वे बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के सबूत नहीं दे देती। बिना सबूत वो कुछ नहीं कर सकते। जिस पर पहलवानों ने कहा कि ऐसे होने पर कौन महिला यौन शोषण के समय वीडियो रिकॉर्ड कर पाएगी। जब आप कुछ ऐसा अनुभव करते हो तो सांस भी नहीं ले सकते। एक महिला पहलवान ने बताया कि कमेटी के एक सदस्य ने उनसे कहा है कि बृजभूषण सिंह उनके पिता के समान हैं और उन्होंने अपना ये व्यवहार मासूमियत में किया है, तुम इसे गलत तरीके से अनुचित स्पर्श समझ रही हो। दूसरी पहलवान ने बताया कि सुनवाई के दौरान भारतीय खेल संघ की बिल्डिंग के वेटिंग एरिया को भारतीय कुश्ती महासंघ के बृजभूषण के करीबी कर्मचारियों और कोचों की भीड़ से भर दिया गया था, जो काफी डरवाना था। हीं, उन्होंने बताया कि पीड़ितों ने अपने बयान देने के समय केवल निगरानी समिति की महिला सदस्यों को ही कमरे में मौजूद होने का अनुरोध किया था, लेकिन यह अनुरोध माना नहीं गया।

मुबंई को हरा कर लखनऊ प्लेआफ की दौड़ में बरकरार

लखनऊ। कठिन पिच पर मार्कस स्टोइनिस (89 नाबाद) और कृणाल पांड्या (49 रिटायर्ड हर्ट) की उम्दा बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों की संयमपूर्ण प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में मुबंई इंडियंस को पांच रन से हरा कर खुद को प्लेआफ की दौड़ में बनाये रखा। इकाना स्टेडियम पर लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये तीन विकेट पर 177 रन बनाये जिसके जवाब में मुबंई इंडियंस निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 172 रन ही बना सकी। इस मैच में जीत के साथ लखनऊ 15 अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर आ गयी है जबकि मुबंई 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। लखनऊ का अगला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा। लखनऊ की जीत में स्टोइनिस और पांड्या की उम्दा 82 रन की पार्टनरशिप के योगदान के बाद रवि बिश्नोई (26 पर दो विकेट) और यश ठाकुर (40 रन पर दो विकेट) के अलावा अंतिम दो ओवरों में मोहसिन खान(26 रन पर एक विकेट) की भूमिका अहम रही जिसके चलते अच्छी शुरूआत करने के बावजूद मुबंई की टीम जीत से महज पांच कदम दूर रह गयी। 178 रन के विजयी लक्ष्य का पीछा करने

उतरे मुबंई की सलामी जोडी इशान किशन (59) और रोहत शर्मा (37) ने पहले विकेट के लिये 90 रन आसानी से जोड लिये थे मगर बीच के ओवर में सुपर डुपर सूर्य कुमार यादव (7) और नेहाल बढेरा (16) रनो की रफ्तार को बढाने के चक्कर में सस्ते में अपने विकेट गंवा बैठे । हालांकि बाद में टिम डेविड (32 रन ,19 गेंद) ने तीन छक्के लगा कर मुबंई की संभावनाओं को बल दिया मगर मोहसिन खान ने आखिरी ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुये मुबंई की जीत की हसरत को विराम लगा दिया और लखनऊ को एक बार फिर मुस्कराने का मौका दे दिया। इससे पहले इकाना स्टेडियम पर टास हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ को पारी के तीसरे ओवर में दीपक हुड्डा (5) और प्रेरक माकंड (0) के रूप में एक के बाद एक दो झटके लगे। दोनो जेसन बेहरेनडॉर्फ का शिकार बने। बाद में क्रीज पर उतरे कृणाल ने हाथ खोले ही थे कि दूसरे छोर पर क्विंटन डी कॉक (16) को अनुभवी पीयूष चावला को विकेट से पीछे आउट कराया। तीन विकेट मात्र 35 रन पर गंवाने के बावजूद कृणाल ने नये बल्लेबाज स्टोइनिस के साथ रक्षात्मक रवैया छोड़ कर आक्रमक शैली अपनायी। दोनो बल्लेबाजों ने हर ढीली गेंद पर प्रहार किये और अपना विकेट बचा कर रखा,नतीजन लखनऊ का स्कोरबोर्ड चल निकला। इस बीच पारी के 16वें ओवर में पांड्या मांसपेशियों के खिंचाव के चलते रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान के बाहर चले गये। उन्होने अपनी 49 रन की पारी में 42 गेंद खेली और एक चौका और एक छक्का लगाया। दूसरे छोर पर स्टोइनिस का आक्रमक अंदाज तूफान में तब्दील हो गया और उन्होने मैदान के चारों ओर चौकों छक्कों की बारिश कर दी।उन्होने निकोलस पूरन (आठ नाबाद) के साथ आखिरी के चार ओवरों में अपनी टीम के लिये 60 रन जोड़े। स्टोइनिस की अदभुद पारी में चार चौके और आठ छक्के लगे। उन्होने अपनी बल्लेबाजी से यह भी दर्शा दिया कि लो स्कोरिंग मैच के लिये बदनाम इकाना की पिच में कोई खोट नहीं है।

अक्षय ने फ्लॉप फिल्मों के बाद कसी कमर

वायुसेना अधिकारी बन दिखाएंगे बॉक्स ऑफिस पर दमखम

अक्षय कुमार की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही हैं। रक्षाबंधन से लेकर राम सेतु, सम्राट पृथ्वीराज और सेल्फी तक, उनकी किसी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पानी तक नहीं मांगा। हालांकि, अक्षय असफलता का रोना रोने वाले कलाकारों में शुमार नहीं हैं। यही वजह है कि अब वह जोर-शोर से अपनी अगली फिल्म स्काई फोर्स की शूटिंग में जुट गए हैं। इस फिल्म में वह भारतीय वायु सेना अधिकारी का किरदार निभाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय निर्देशक अली अब्बास जफर की जबरदस्त एक्शन ड्रामा फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग खत्म करने के बाद ही स्काई फोर्स की शूटिंग में जुट गए थे। उन्होंने अपनी इस फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस एरियल एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग 9 मई को शुरू हुई थी। इसे 6 दिन मुंबई स्टूडियो में शूट किया गया था। हालांकि, यह एक छोटा सा शूटिंग शेड्यूल था। फिल्म का मुख्य शेड्यूल अगले महीने शुरू होगा और अक्टूबर 2023 तक जारी रहेगा। एक्शन से भरपूर इस थ्रिलर फिल्म को 4 महीने की अवधि में गुजरात, पंजाब, राजस्थान और असम के कई हवाई अड्डों पर बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। अक्षय फिल्म में एक वायुसेना अधिकारी

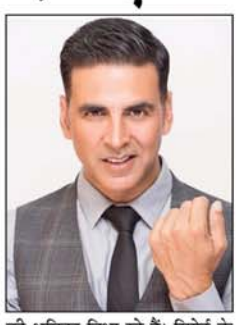

की भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्दी में वह आकर्षक और अपनी इस फिल्म और किरदार को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त दिख रहे हैं। स्काई फोर्स एक सच्ची घटना पर आधारित है। यह भारतीय वायु सेना की सबसे बड़ी जीत में से एक का जश्न मनाती है। दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। अक्षय पहली बार पायलट की भूमिका निभाएंगे। स्काई फोर्स उनकी इस साल शुरू हुई दूसरी फिल्म है। फिल्म से जुड़े सूत्र ने एंटरटेनमेंट पोर्टल को बताया कि स्काई फोर्स अक्षय के करियर को पटरी पर लेकर आएगी। यह फिल्म उनका खोया हुआ स्टारडम वापस लाने में बड़ी मददगार साबित होगी। अक्षय एक बार फिर बॉलीवुड में बॉक्स ऑफिस के किंग बनकर उभरेंगे। वह इसे लेकर पूरी तरह से समर्पित हैं। अक्षय को पूरा यकीन है कि उनकी इस फिल्म से उन्हें बड़ी सफलता मिलेगी। वह अगले 4 महीने सिर्फ अपनी इसी फिल्म को देने वाले हैं। अक्षय फिल्म ओह माय गॉड में भगवान कृष्ण का किरदार निभाने के बाद अब इसके सीक्वल ओएमजी 2 में भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं। सुपरस्टार सूर्या की सुपरहिट तमिल फिल्म सोरारई पोटरु के हिंदी रीमेक में भी अक्षय मुख्य भूमिका में हैं। हेरा फेरी 3 अक्षय के खाते से जुड़ी है। इसके अलावा फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू में वह काम कर रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस की सी शंकरन नायक की बायोपिक के हीरो भी अक्षय ही हैं।

एक और क्राइम सीरीज स्कूप का ट्रेलर जारी

हंसल मेहता की स्कूप का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें करिश्मा तन्ना मुख्य भूमिका में हैं। स्कूप की कहानी 2011 में पत्रकार ज्योतिर्मय डे की हत्या और मामले में आरोपी पत्रकार जिग्ना वोरा पर आधारित है। सीरीज जिग्ना की जिंदगी और कोर्ट के ट्रायल के इर्द-गिर्द घूमती है। करिश्मा पत्रकार जागृति पाठक का किरदार निभा रही हैं, जो अपने साथी पत्रकार की हत्या में आरोपी बनती हैं। जिग्ना ने मुंबई में क्राइम रिपोर्टर के रूप में काम किया। वह रिपोर्टर ज्योतिर्मय की हत्या के 2 मुख्य संदिग्धों में से एक थीं। 2011 को पवई के हीरानंदानी में अज्ञात हमलावरों ने ज्योतिर्मय की हत्या कर दी थी। हत्यारों की पहचान गैंगस्टर छोटा राजन के रूप में हुई। शुरुआती जांच के बाद मुंबई पुलिस ने राजन और जिग्ना पर आरोप लगाया। इसके बाद जांच के सिलसिले में मुंबई पुलिस ने 2011 को जिग्ना को हिरासत में लिया। जिग्ना पर राजन को ज्योतिर्मय के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देने का आरोप लगा था। फरवरी 2012 में मुंबई पुलिस ने जिग्ना के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के सख्त कानून समेत कई और आपराधिक धाराओं के तहत चार्जशीट दायर की थी। साल 2017 में जिग्ना को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया था। गौरतलब है कि स्कूप 2 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

लुक की वजह से स्कूल में ट्रोल होती थीं सनी लियोनी

बर्थडे गर्ल सनी लियोनी कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर चुकी हैं. साथ ही कई फिल्मों में उन्होंने कई आइटम नंबर भी किए हैं, वो बेहद ही बोल्ड और ग्लैमरस एक्ट्रेस में से एक हैं, लेकिन कई बार उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा है. कुछ समय पहले उनकी जिंदगी पर बनी वेबसीरिज करनजीत कौर - द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सनी लियोनी आई थी. इस वेबसीरिज के जरिए उन्होंने अपनी पर्सनल जिंदगी से जुड़ी कई बातों को खुलासा किया है. इस वेबसीरिज में बताया गया था सनी को किस तरह स्कूल में अपने लुक को लेकर ट्रोल किया जाता है. जी हां आपको बता दें, सनी को स्कूल में वैक्सिंग को लेकर ट्रोल किया जाता था, इस वेबसीरिज में सनी को पैरों में वैक्सिंग को लेकर ट्रोल किया जाता था. देखा जाता है स्कूल में सनी ने पैरों में वैक्सिंग नहीं कराई है, जिस कारण से उनका मजाक उड़ाया जाता है. वहीं सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है, सनी लियोनी ने खुद ये बात बताई थी कि सनी तो केवल एक ब्रांड है, जिसे लोग फिल्म, गाने या किसी फोटोशूट में देखते हैं. सनी लियोनी ने 2012 में जिस्म 2 से एक्टिंग की शुरुआत की थी . इसके बाद वो रागिनी एमएमस 2, वन नाइट स्टैंड, कुछ कुछ लोचा है, रईस, हेट स्टोरी 2 जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. इसके साथ ही उनके कई गाने भी रिलीज हुए हैं. वहीं उन्होंने वेबसीरिज अनामिका में भी दमदार रॉ एजेंट का रोल प्ले किया था. वह हाल ही में दुबई में एक ग्रैंड इवेंट में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुई थीं. सनी ने मंच पर रागिनी एमएमएस 2 के अपने लोकप्रिय गाने बेबी डॉल पर थिरकते हुए आग लगा दी थी. सनी लियोनी अब अनुराग कश्यप की कैनेडी में नजर आएंगी. यह 76वें वार्षिक कान फिल्म महोत्सव की ओर अग्रसर है. फिल्म का प्रीमियर मई में होगा. इसे प्रतिष्ठित फिल्म पर्व के मिडनाइट स्क्रीनिंग सेक्शन के तहत प्रदर्शित किया जाएगा।

जोगीरा सारा रा रा की रिलीज डेट में बड़ा बदलाव

26 मई को सिनेमाघरों में फिल्म देगी दस्तक

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी इस दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर ही नहीं बल्कि अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चे में हैं। एक्टर जल्द ही फिल्म जोगीरा सारा रा रा में नजर आने वाले हैं। पहले खबर थी कि फिल्म को इस शुक्रवार को सिनेमानघरों में रिलीज किया जाएगा, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट में बड़ा बदलाव किया गया है। जी हां, जोगीरा सारा रा रा की रिलीज डेट टाल दी गई है। फिल्म अब 26 तारीख को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स ने यह फैसला द केरल स्टोरी को दर्शकों से मिल रहे बेहतर रिस्पॉन्स को देखते हुए लिया है। इसलिए फिल्म कुछ समय बाद सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में नवाज डांस करते नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें डांस करना नहीं आता है और फिल्म में उन्हें जो स्टेप्स दिए गए थे, वे बेहद आसान थे। नेहा शर्मा ने हालांकि सेट पर खूब मस्ती की। उन्होंने नवाज के डांस के बारे में बात करते हुए कहा, शुरुआत में यह भी निश्चित नहीं था कि वह ऐसा कर पाएंगे या नहीं, लेकिन जब वह सेट पर पहुंचे और नाचने लगे, मुझे लगता है कि हर कोई उन्हें देख रहा था।

गदर 2 की रिलीज में नहीं होगा कोई फेरबदल

निर्देशक ने लगाई मुहर

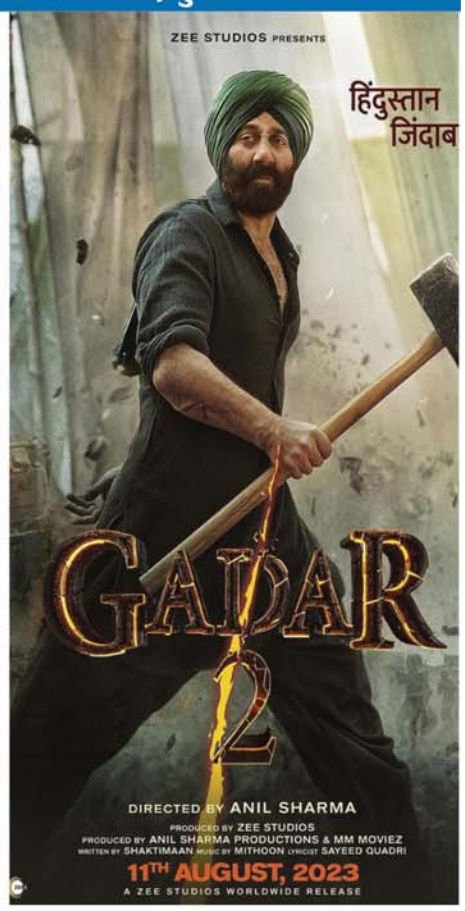

पिछले दिनों इन खबरों ने जोर पकड़ा था कि फिल्म गदर 2 की रिलीज में बदलाव हो सकता है। दरअसल, चर्चा थी कि जवान की रिलीज को अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। बॉक्स ऑफिस पर गदर 2 के सामने पहले ही एनिमल मौजूद है। ऐसे में जवान के भी उसी दिन आने से इसकी कमाई प्रभावित होगी। हाल ही में निर्देशक अनिल शर्मा से उनकी फिल्म की रिलीज पर बात हुई तो उन्होंने इससे साफ इनकार किया। अनिल ने कहा, गदर 2 जनता की फिल्म है। यह उनकी भावना है। लिहाजा हम 11 अगस्त, 2023 को ही आ रहे हैं। वजह यह है कि लोग इसे चाहते हैं। यह कोई फिल्म नहीं है, यह एक इमोशन है। ऐसे में हम बिल्कुल भी अपनी तारीख से हिलने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल हम अपनी इस फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में व्यस्त हैं और 11 अगस्त को आने की तैयारी कर रहे हैं। अनिल बोले, हम नहीं जानते कि उस दिन और कौन-सी फिल्म रिलीज हो रही है। जो आ रही है, उसको आने दीजिए, अगर कोई आती है तो। बस हम इतना जानते हैं कि हमारे लिए 11 अगस्त का दिन पक्का है। अब निर्देशक की बातें सुनकर तो ऐसा लग रहा है कि वह अपनी फिल्म की सफलता को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। यही वजह है कि वह बॉक्स ऑफिस पर होने वाले टकराव से भी बेफिक्र हैं। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल भी 11 अगस्त को रिलीज होगी, वहीं आलिया भट्ट की पहली हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन भी इसी दिन आएगी। हालांकि, यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। 15 अगस्त को निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वार आ रही है। गदर 2 का पहला पोस्टर सनी देओल ने 26 जनवरी, 2023 को अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया था। इसी के साथ उन्होंने इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा हटाया था। पोस्टर के साथ सनी ने कैप्शन में लिखा था, हिन्दुस्तान जिंदाबाद है... जिंदाबाद था... और जिंदाबाद रहेगा। इस स्वतंत्रता दिवस हम दो दशक बाद बॉलीवुड का सबसे बड़ा सीच्ल लेकर आ रहे हैं। गदर 2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। गदर- एक प्रेमकथा एक पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनिल ने ही किया था। फिल्म में सनी, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में दिखे थे। इसकी गिनती बॉलीवुड की शानदार और यादगार फिल्मों में होती है। यह 1947 में हुए भारत विभाजन की कहानी पर आधारित है। इसमें दिखाया गया कि कैसे एक मुस्लिम लड़की और एक पंजाबी लड़के का प्यार सरहदों से परे जाकर अपनी मंजिल चुनता है। यह फिल्म जी5 पर देखी जा सकती है।

स्टाइलिश बिकिनी पहन मौनी रॉय ने फ्लॉन्ट किए कर्व्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी वेकेशन और स्टाइलिश लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा देती हैं। एक्ट्रेस हर बार अपनी बोल्ड फोटोज से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बिकिनी लुक्स की हॉट फोटोज इंटरनेट पर शेयर की हैं, जिसकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। बी-टाउन की खूबसूरत और जानी-मानी एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों इटली में अपना वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। वहीं से एक्ट्रेस मौनी रॉय अपनी लेटेस्ट हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री ने स्टाइलिश ब्लू और ग्रीन प्रिंटेड लुक में बिकिनी पहनी हुई है। मौनी रॉय अपने इस लुक में कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए हुस्न का दीदार करवा रही हैं। ओपन हेयर और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस बिकिनी लुक को कंप्लीट किया है। उनकी इन तस्वीरों में हॉटनेस को देखकर फैंस का दिल मचल गया है। बताते चले कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक करते हैं। मौनी रॉय की इन तस्वीरों को पोस्ट किए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 3 लाख से भी ज्यादा यूजर्स के लाइक्स आ चुके हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय का स्टाइल आइकन हमेशा से ही ऑन टॉप रहा है। हालांकि फैंस भी उनके फैशन और ड्रेसिंग सेंस को काफी फॉलो करते हैं।

जूही परमार, राजेश कुमार, हेतल गड़ा ये मेरी फैमिली में आएंगे नजर

जूही परमार, राजेश कुमार, हेतल गड़ा और अंगद सहित कई अन्य कलाकार ये मेरी फैमिली के नए सीजन में नजर आएंगे, जो 90 के दशक पर आधारित है। यह नया सीजन 90 के दशक की जीवंतता को वापस लाएगा, जिसमें जूही परमार ने नीरजा अवस्थी का किरदार निभाया है, जो एक सख्त लेकिन अत्यधिक देखभाल करने वाली मां है, जिसकी दुनिया उसके बच्चों और परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है।जूही ने कहा, यह एक खूबसूरत हल्की-फुल्की कहानी है और पहली बार जब यह मुझे सुनाई गई तो मैंने सोचने में वक्त बेकार नहीं किया और तुरंत हां कर दी। मुझे ऐसे कंटेंट का हिस्सा बनना पसंद है जो प्रासंगिक हो और किसी के चेहरे पर मुस्कान लाए, ऐसी कहानी हो।राजेश कुमार ने संजय अवस्थी की भूमिका निभाई है, जो एक खुशमिजाज पिता है। हेतल को 15 साल की रितिका के रूप में देखा जाएगा, जो टीनएजर वाली परेशानियों से गुजर रही है।राजेश ने कहा- जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो पुरानी यादों में मैं खो गया। मैं 90 के दशक में अपनी किशोरावस्था में था और मैं कहानी में सभी हाइलाइट्स के साथ पूरी तरह से जुड़ सकता था।हेतल कहती हैं, मनोरंजन उद्योग की ऐसी प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ काम करने का अवसर पाकर मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं।समीक्षकों द्वारा प्रशंसित टीवीएफ ड्रामा और कॉमेडी ये मेरी फैमिली 19 मई से अमेजन की मुफ्त स्ट्रीमिंग सेवा, अमेजन मिनी टीवी पर प्रसारित होगी।

टाइगर 3 के बाद सलमान खान शुरू करेंगे नो एंट्री के सीक्वल की शूटिंग?

सलमान खान इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली फिल्म की शूटिंग इन दिनों सलमान और शाहरुख खान के साथ मुंबई के मड आइलैंड में चल रही है। मनीष शर्मा की इस फिल्म में शाहरुख का कैमियो है, जिसके लिए 13 दिन का शेड्यूल रखा गया है। इस सबके बीच खबर आई है कि सलमान टाइगर 3 के बाद नो एंट्री के सीक्वल की शूटिंग शुरू कर देंगे। सूत्र के मुताबिक, सलमान टाइगर 3 की शूटिंग के बाद नो एंट्री के सीक्वल पर काम करने के लिए अपनी टीम के साथ बातचीत कर रहे हैं। सूत्र के अनुसार, सलमान की टीम अभी नो एंट्री 2 के पक्ष में नहीं है और ऐसे में उन्होंने इस फैसला का विरोध जताया है। हालांकि, अभिनेता ने कथित तौर पर फ्रेंचाइजी के साथ आगे बढ़ने में दिलचस्पी दिखाई है और वह इस रोमांस कॉमेडी के लिए तैयार हैं। 2005 में

अनीस बज्मी के निर्देशन में बने फिल्म के पहले भाग को लोगों ने काफी पसंद किया था। ऐसे में नो एंट्री के सीक्वल पर चर्चा काफी समय से हो रही है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, अब सलमान के फिल्म की शूटिंग शुरू करने की खबरों के बाद से प्रशंसक उत्सुक हो गए हैं। नो एंट्री में अनिल कपूर, ईशा देओल, लारा दत्ता, बिपाशा बसु और फरदीन खान मुख्य भूमिका में थे। सलमान इस बार अपनी फिल्मों के अलावा छोटे पर्दे के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस के चलते भी व्यस्त रहेंगे। हर साल अभिनेता बिग बॉस को होस्ट करते हैं, लेकिन अब वह बिग बॉस ओटीटी की कमान भी संभालेंगे। बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन को करण जौहर ने होस्ट किया था पर अब वह इसका हिस्सा नहीं हैं। इस सबके बीच ही अभिनेता का नो एंट्री 2 की शूटिंग का शेड्यूल भी होगा। सलमान ने ईद के मौके पर 4 साल बाद किसी का भाई किसी की जान से बड़े पर्दे पर वापसी की थी। इस फिल्म में वह पहली बार पूजा हेगड़े के साथ दिखे थे। अब वह कैटरीना कैफ के साथ टाइगर 3 में नजर आएंगे तो टाइगर वर्सेज पठान का भी हिस्सा हैं। इसके अलावा सोहेल खान और करण जौहर ने भी अभिनेता से अपनी फिल्मों के लिए संपर्क किया है, लेकिन अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से करें: संभागीय आयुक्त

ग्वालियर। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत प्राप्त हो रहे आवेदन पत्रों का निराकरण अधिकारी संवेदनशीलता के साथ त्वरित करें ताकि आवेदक को योजनाओं का लाभ लेने के लिये भटकना न प?। इसके साथ ही सीएम हैल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का निराकरण भी तत्परता से किया जाए। आवश्यकता हो तो शिकायतकर्ता से अधिकारी चर्चा भी करें और उसकी समस्या का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने गुरूवार को गुना जिले की ग्राम पंचायत म्याना और शिवपुरी जिले की ग्राम पंचायत पड़ोरा में आयोजित मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर में यह बात कही।

संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने कहा कि प्रदेश भर में 10 मई से 31 मई तक मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तहत चिन्हित 67 योजनाओं का लाभ आवेदकों को तत्परता से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही सीएम हैल्पलाइन में 15 अप्रैल तक दर्ज सभी शिकायतों का निराकरण भी सुनिश्चित किया जाना है। उन्होंने शिविर में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन सेवा अभियान के तहत लगाए जा रहे शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों का निराकरण

तत्परता से किया जाए। संभागीय आयुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि जिन आवेदन पत्रों का निराकरण तत्काल किया जा सकता है उनका निराकरण शिविर में ही कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। जिन आवेदन पत्रों का निराकरण मौके पर नहीं हो सकता, उनका निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी बताया कि सीएम हैल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण के लिये विभागीय अधिकारी विशेष प्रयास करें। एल-1 स्तर पर ही शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण हो इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।.संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने दोनों जिलों के कलेक्टरों से आग्रह किया है कि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान को सभी अधिकारी पूरी गंभीरता के साथ लें। अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही कोई भी विभागीय अधिकारी न बरतें। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने गुना एवं शिवपुरी जिले में आयोजित मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में विभिन्न योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदन पत्रों का निराकरण करते हुए हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह गुना व शिवपुरी जिले में मुख्यमंत्री जन सेवा शिविरों में शामिल हुए। इस अवसर पर गुना एवं शिवपुरी जिले के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना से युवाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण के साथ मिलेगा स्टाइपेंड

ग्वालियर। राज्य सरकार रोजगार के लिए अनेकों प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में युवाओं को रोजगार के लिए कौशल सिखाने के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना लागू की जा रही है। युवाओं को कौशल सिखाने के साथ भुगतान भी किया जाएगा। कौशल प्रशिक्षण के लिए कंपनियों और सर्विस सेक्टर को जोड़ा जाएगा। इस योजना के तहत युवाओं को प्रशिक्षण देने वाले प्रतिष्ठानों का पंजीयन 7 जून से और काम सीखने के इच्छुक युवाओं का पंजीयन 15 जून से शुरू होगा और प्लेसमेंट 15 जुलाई से आरंभ होगा। कार्य सीखाने वाले प्रतिष्ठान और राज्य शासन के बीच 31 जुलाई से अनुबंध की कार्यवाही होगी। एक अगस्त से युवा, कार्य आरंभ कर देंगे। यह क्रांतिकारी योजना युवाओं को बैसाखी पर चलना नहीं, अपने पैरों पर ख?ा होना सिखाएगी। कार्य से सीखने की अवधि में युवाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में कम से कम एक लाख युवाओं को प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी, 18 से 29 वर्ष के युवा, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं अथवा आईटीआई या उच्च है, वे योजना में पात्र होंगे। प्रशिक्षण के बाद मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा स्टेट कॉउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। योजना से युवाओं को प्रशिक्षण के साथ स्टाइपेंड मिलेगा, कौशल उन्नयन से उनके रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और कमाई का बेहतर मार्ग प्रशस्त होगा।

योजना से देश और प्रदेश के प्रतिष्ठित औद्योगिक तथा निजी संस्थानों को जोड़ा जाएगा। प्रतिष्ठान के पास पैन नंबर और जीएसटी पंजीयन होना आवश्यक होगा। प्रतिष्ठान अपने कुल कार्यबल के 15 प्रतिशत की संख्या तक छात्र प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दे सकेंगे। योजना में 12वीं उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को 8 हजार रूपए, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हजार 500 रूपए, डिप्लोमा उत्तीर्ण को 9 हजार रूपए और स्नातक उत्तीर्ण या उच्च शैक्षणिक योग्यता वालों को 10 हजार रूपए प्रतिमाह स्टाइपेंट दिया जाएगा। स्टाइपेंड की 75 प्रतिशत राशि राज्य शासन की ओर से प्रशिक्षणार्थी को डीबीटी से भुगतान की जायेगी। संबंधी प्रतिष्ठान को निर्धारित न्यूनतम स्टाइपेंड की 25 प्रतिशत राशि प्रशिक्षणार्थी के बैंक खाते में जमा करानी होगी। योजना में प्रशिक्षण के लिए 703 कार्य-क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं। इसमें विनिर्माण क्षेत्र, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल, प्रबंधन, मार्केटिंग, होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म, ट्रेवल, अस्पताल, रेलवे, आई.टी. सेक्टर, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, बैंकिंग, बीमा, लेखा, चार्टर्ड एकाउंटेंट और अन्य वित्तीय सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों को जो?ा जाएगा। मीडिया, कला, कानूनी और विधि सेवाएँ, शिक्षा-प्रशिक्षण तथा सेवा क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठान भी योजना में सम्मिलित होंगे। योजना से प्रशिक्षणार्थियों को उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक और प्रक्रियाओं में दक्षता प्राप्त होगी, जिससे उनके नियमित रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। योजना से प्रमुख प्रतिष्ठानों को जो?ने के? लिए पुणे, बैंगलुरू और नोएडा में कार्यशालाएँ की जाएंगी। साथ ही प्रदेश में युवाओं को योजना की जानकारी देने के उद्देश्य से संभाग और जिला स्तर पर गतिविधियाँ संचालित होंगी। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित साधिकार समिति द्वारा योजना का संचालन किया जाएगा। कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव समिति के सदस्य सचिव होंगे। वित्त, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म-लघु एवं मध्यम उद्यम, श्रम, उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव समिति के सदस्य होंगे।

घर-घर सर्वे कर सुनिश्चित करें कि पोलियो टीकाकरण से कोई भी बच्चा छूटे नहीं

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में भी 28 से 30 मई तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन होगा। इस दौरान जन्म से पाँच वर्ष तक के बच्चों को जिंदगी की दो बूँद पिलाकर पोलियो रक्षा कवच पहनाया जायेगा। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने जिला टास्क फोर्स की बैठक लेकर अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही निर्देश दिए कि अभियान के पहले दिन अर्थात 28 मई को पोलियो बूथ पर 90 प्रतिशत बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाने के लक्ष्य रखें। उन्होंने सहरिया जनजाति बहुल बस्तियों में विशेष फोकस कर शतप्रतिशत बच्चों का पोलियो टीकाकरण करने पर बल दिया। साथ ही कहा कि किसी काम से बाहर गए परिवारों के बच्चों का भी टीकाकरण हो जाए इस बात का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सहरिया अनुसूचित जनजाति बहुल बस्तियों का बारीकी से सर्वेक्षण करें। साथ ही सहरिया परिवारों को अपने बच्चों का पोलियो टीकाकरण कराने के लिये प्रेरित करें। प्रयास ऐसे हों कि कोई भी बच्चा पोलियो टीकाकरण से छूटे नहीं। उन्होंने अनुसूचित जाति बहुल बस्तियों में भी इसी प्रकार सर्वे कराकर शतप्रतिशत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर के गुप्ता ने बैठक में जानकारी दी कि जिले में जन्म से पाँच वर्ष तक के 3 लाख 47 हजार 292 बच्चों को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिंदगी की दो बूँद पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पोलियो टीकाकरण के लिये जिले में 2 हजार 216 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। साथ ही 140 कॉम्बेट टीम, 83 ट्रांजिट टीम व 15 मोबाइल टीम गठित की गई हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन यानि 28 मई को पोलियो बूथ पर बच्चों को पोलियोरोधी खुराक

पिलाई जायेगी। अभियान के दूसरे व तीसरे दिन अर्थात 29 व 30 मई को घर-घर जाकर पोलियो टीकाकरण किया जायेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2022-23 में भारत के समीपवर्ती राष्ट्र पाकिस्तान व अफगानिस्तान में पोलियो के चार प्रकरण सामने आए थे। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि कुछ अफ्रीकन देशों में 30 साल बाद पोलियो के केस मिले हैं। इसलिए निश्चिंत न होकर जन्म से पाँच वर्ष तक के हर बच्चे का पल्स पोलियो अभियान के दौरान टीकाकरण नितांत जरूरी है। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत मध्यप्रदेश के 16 जिलों सहित देश के 195 जिलों में 28 व 29 मई को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें ग्वालियर जिला भी शामिल है। गुरूवार को जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास राहुल पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

लोकायुक्त पुलिस सागर ने अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को बीस हजार लेते दबोचा

ग्वालियर। लोकायुक्त पुलिस सागर ने आज पोर्टल पर फोटो सत्यापित करने के एवज में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सुर्दशन पटेल दमोह को बीस हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों दबोच लिया है। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभारी पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त पुलिस ग्वालियर एवं सागर रामेश्वर सिंह यादव ने बताया कि आवेदक आनंद सिंह ग्राम सिकारपुर तहसील पटेरा जिला दमोह ने लोकायुक्त कार्यालय आकर शिकायत दर्ज की कि अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत पटेरा तहसील पटेरा जिला दमोह द्वारा आवेदक के काम की पोर्टल पर फोटो को सत्यापित करने के एवज में बीस हजार रूपये की रिश्वत की मांग की थी। आज तय समय पर जनपद पंचायत पटेरा में आवेदक आनंद सिंह ने आरोपी सुदर्शन पटेल को रिश्वत के बीस हजार रूपये दिऐ वैसे ही पास ही खडी लोकायुक्त पुलिस की टीम ने उसे मौके पर ही धर दबोचा। लोकायुक्त की टीम में निरीक्षक बीएम द्विवेदी , अभिषेक वर्मा उप पुलिस अधीक्षक राजेश खेडे ,प्रफुल्ल श्रीवास्तव एवं विशेष पुलिस स्थापना का स्टाफ मौलूद था।

अधिकारी हितग्राहियों से स्वयं संवाद करें: कलेक्टर

ग्वालियर। केवल मैदानी कर्मचारियों के भरोसे न रहकर जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी हितग्राहियों तक सीधे पहुँचें। उनके साथ संवाद करें व योजनाओं की जानकारी दें। इससे शासन के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण निर्मित होने के साथ-साथ स्वास्थ्य कार्यक्रमों व आंगनबाड़ी सेवायें गुणवत्ता के साथ जरूरतमंदों तक पहुँच सकेंगीं। इस आशय के निर्देश कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने जिला स्वास्थ्य समिति एवं महिला-बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक में दिए। गुरूवार को जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर सिंह ने गर्भवती माताओं का पहले तीन महीने के भीतर पंजीयन करने पर विशेष जोर दिया। इससे गर्भवती माताओं की सभी प्रकार की जाँचें व टीकाकरण समय से हो सकेगा। जाहिर है माता व शिशु की सुरक्षा भी हो सकेगी। उन्होंने अपेक्षित पंजीयन न होने पर नाराजगी जताई। साथ ही निर्देश दिए कि अगली बैठक से पहले इसमें प्रभावी बदलाव नजर आना चाहिए। बैठक में आयुष्मान भारत, टीकारकण, कुष्ठ निवारण, अस्पतालों का कायाकल्प अभियान, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत डीबीटी व आधार मिलान कार्य, अडॉप्ट एन आंगनबाड़ी अभियान, कम वजन के बच्चों को सुपोषित करने के लिये चलाए जा रहे कार्यक्रम सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर सिंह ने सरकारी अस्पतालों की सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि कोई अस्पताल तभी श्रेष्ठ माना जायेगा, जब वह साफ-सुथरा हो और पैरामेडीकल स्टाफ व चिकित्सकों का व्यवहार अच्छा हो, जिससे अस्पताल में मरीज को पूरी संतुष्टि मिले। इसी तरह आंगनबा?ी की सुविधायें ऐसी हों जिससे बच्चे वहाँ जाने की जिद करें। इसी भाव के साथ सरकारी अस्पतालों एवं आंगनबाड़ियों का कायाकल्प करें।

कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान द्वितीय चरण के दौरान सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित निराकरण की रणनीति भी सभी अधिकारियों को बैठक में समझाई। उन्होंने कहा अधिकारी शिकायतकर्ता को स्वयं फोन करें, सामूहिक रूप से गूगल मीट करें और शिकायतकर्ताओं की बैठक बुलाएँ। इससे शिकायतों का निराकरण शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ किया जा सकेगा। उन्होंने जन सेवा अभियान के लिये चिन्हित 67 सेवाओं से संबंधित आवेदनों का निराकरण तेजी से करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों से यह भी कहा कि समर्पण भाव से काम कर अपने-अपने विभाग में नवाचार भी करें। उन्होंने कहा कि समस्या को अवसर के रूप में लेकर व्यवस्था में सुधार करें। नवाचार ऐसे हों, जिससे स्वयं को आनंद और जरूरतमंद लोगों को मदद मिले। उन्होंने खासतौर पर पर्यावरण, स्वच्छता, नशामुक्ति, पॉलीथिन का उपयोग न करने जैसे क्षेत्रों में नवाचार करने पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास राहुल पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

छह शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के लायसेंस निरस्त

ग्वालियर। जिला आपूर्ति नियंत्रक भीम सिंह तोमर ने बताया कि उचित मूल्य की दुकानों के युक्तियुक्तिकरण के तहत 800 से कम राशनकार्ड वाली उचित मूल्य की दुकानें चिह्नित की गई थीं, जिनमें अभिनव प्राथमिकता उपभोक्ता भंडार दुकान नं. 88, शक्ति प्राथमिक उपभोक्ता भंडार दुकान नं. 89, नया बाजार प्राथमिक उपभोक्ता भंडार दुकान नं. 83, मृगनयनी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार दुकान नं. 251, पांचाली उपभोक्ता प्राथमिकता भंडार दुकान नं. 82 एवं मीनू महिला प्राथमिक उपभोक्ता भंडार दुकान नं. 148 शामिल हैं। इन दुकानों के संचालकों द्वारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालन में असमर्थता व्यक्त किए जाने पर इन्हें पूर्व में समीप की दुकान से संलग्न किया गया था। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि इन प्रकरणों में पारित आदेश के अनुसार इन सभी छह दुकानों को निरस्त कर दिया गया है, साथ ही इन दुकानों से जुड़े उपभोक्ताओं को समीप की दुकानों राजदीप प्राथमिक उपभोक्ता भंडार, महागौरी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार एवं कावेरी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार से संलग्न किया गया है।

मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा की इंगित काव्यगोष्ठी में हुई बहुरंगी कविताओं की प्रस्तुति

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर ,दौलत गंज लश्कर ,ग्वालियर के भवन में गत दिवस मासिक ÷इंगित काव्य गोष्ठी÷ का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अमर सिंह यादव ने की । मुख्य अतिथि के रूप में साहित्यकार दिनेश विकल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कवियत्री रेखा दीक्षित व रमेश निर्झर एवं साहित्य सभा प्रतिनिधि के रूप में उपेन्द्र कस्तूरे , सहमंत्री एउपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन राम चरण चिराड़ ÷ रुचिर ÷ एवं संचालन डॉ. कमला शंकर मिश्र ने किया।

प्रारम्भ में अतिथि परिचय कार्यक्रम संयोजक राम चरण ÷रुचिर÷ ने कराया। अतिथियों द्वारा सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पहार भेंट किया गया। सरस्वती वंदना रेखा दीक्षित ने सुमधुर स्वर में प्रस्तुत की ।तत्पश्चात् काव्य पाठ का क्रम आगे बढ़ा ।काव्य पाठ करने वालों में आरती अक्षत ,रामचरण% रुचिर% , जगमोहन श्रीवास्तव, अनिल राही , दिलीप मिश्रा,डॉ. कमला शंकर मिश्र सहित मंचासीन अतिथि अमर सिंह यादव , रमेश निर्झर, रेखा दीक्षित आदि ने एक से बढ़कर एक रचनाओं का पाठ कर कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम में पढ़े गए काव्यांश इस प्रकार हैं।

वहीं मन्दिर वहीं मस्जिद वहीं काशी वहीं कावा।
बुजुर्गों का सदा अपने जहां सम्मान होता है ।

आरती अक्षत

नेताजी थानेदार से बोले ! कि,÷ आम आदमी आम आदमी नहीं, सिर्फ आम है, जिसे हम भी चूसें और तुम भी चूसो÷।

जगमोहन श्रीवास्तव

भारत के अमर सपूतों सी जगह में कोई नजीर नहीं ।
स्वातंत्र्य समर के वीरों में सावरकर सा वीर नहीं।।

राम चरण÷ रुचिर÷

मैं समय का सफल प्रहरी सारथी भावों का हूं।
मेरी जुबां राम नाम मैं राम का पुजारी हूं ।

दिलीप मिश्रा

सिस्टर का आकर्षक बहुआयामी व्यक्तित्व।
नर्स के कार्यों को न निभाता हुआ उत्तरदायित्व।

अनिल राही

वंदना भारती की जो गाते रहे।
अपना चोला बसंती रंगाते रहे।
उन शहीदों को रेखा बता क्या मिला? जो मां की रक्षा को शीश कटाते रहे।

रेखा दीक्षित

ओ महलों में रहने वाले झोपड़्यिों मैं झांको कभी।
हम महलों में आते रहते तुम भी इक दिन आओ कभी ।

दिनेश विकल

सिलसिला प्यार में कुछ ऐसा चलना चाहिए।
बिना भेदभाव के सबको प्यार मिलना चाहिए।

रमेश निर्झर

प्यार में आसमां से चांद को तोड़ लाने का, नया अंदाज समझाया भी तो है

डॉ. कमला शंकर मिश्र

अमरसिंह यादव ने अध्यक्ष युद्ध उनमें भारत के ओके संदर्भ में बहुत ही अभी वक्त दिया उन्होंने भारत के खोज सॉरी बम क्रांति की गाथा को विस्तार से रखा एवं सुंदर काव्य पाठ किया। उन्होंने बलिदानी गाथाओं को काव्य में पिरोया।

कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन उपेंद्र कस्तूरे, सहमंत्री ने किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478